

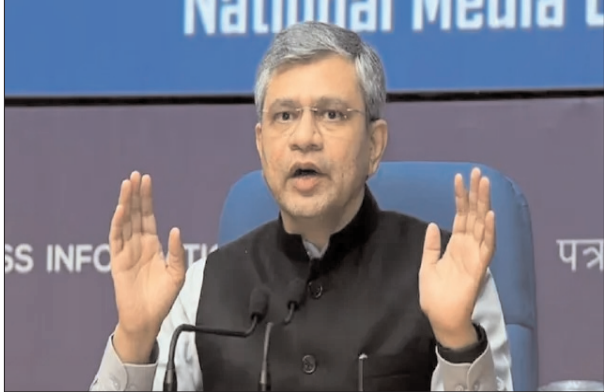
'राष्ट्र-विरोधी सामग्री दिखाने से बचें', सरकार ने टीवी चैनलों को भड़काऊ बहस और एआई के गलत इस्तेमाल पर किया अलर्ट

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने बुधवार को सैटेलाइट टीवी चैनलों के लिए एक एडवायजरी जारी की है। उसमें उनसे कहा गया है कि वे आतंकवाद-रोधी अभियानों की लाइव कवरेज से बचें, हिंसक दृश्यों से दिखाने समय सावधानी बरतें और राष्ट्र-विरोधी सामग्री प्रसारित करने से परहेज करें।

मंत्रालय ने अपनी एडवायजरी में चैनलों से कहा है कि वे केबल टेलीविजन नेटवर्क (रेगुलेशन) एक्ट, 1995 और केबल टेलीविजन नेटवर्क रूल्स, 1994 के तहत तय किए गए प्रोग्राम कोड का सख्ती से पालन करें। मंत्रालय ने कहा, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने देखा है कि कई निजी सैटेलाइट टीवी चैनल, 'केबल

टेलीविजन नेटवर्क (रेगुलेशन) एक्ट, 1995' और 'केबल टेलीविजन नेटवर्क रूल्स, 1994' के तहत निर्धारित प्रोग्राम कोड के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि IDC (इंटर-डिपार्टमेंटल कमिटी) की बैठक के दौरान यह देखा गया कि कई चैनलों पर एक ही विषय से जुड़ी खबरें या दृश्य दिखाए जा रहे थे।

इसलिए IDC ने सिफारिश की है कि सभी निजी सैटेलाइट टीवी चैनलों को सलाह दी जाए कि वे टेलीविजन पर प्रसारित होने वाली सामग्री से जुड़े कानूनी नियमों का सख्ती से पालन करें। समिति ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रसारण के दौरान अनुचित व्यवहार या भाषा को सामान्य नहीं माना जाना



चाहिए। इन दिशानिर्देशों में आतंकवाद-रोधी अभियानों की लाइव कवरेज, हिंसक दृश्य, अपराध की रिपोर्टिंग, प्राकृतिक आपदाएं, भारत के सही नक्शों का इस्तेमाल, सांप्रदायिक सद्भाव और यौन उत्पीड़न के पीड़ितों की

राष्ट्र-विरोधी सोच को बढ़ावा न दें। बॉडकास्टर्स को यह भी चेतावनी दी गई है कि वे कार्यक्रमों में एआई, जिसमें जेनरेटिव एआई भी शामिल है, का इस्तेमाल करते समय पूरी सावधानी बरतें। यह बात ग्राफिक्स और वर्चुअल न्यूज प्रजेंटेशन जैसे मामलों पर भी लागू होती है।

मंत्रालय ने कहा कि अकटूल्स का इस्तेमाल केवल सहायक क्षमता तक ही सीमित होना चाहिए, और इसमें समाचार सामग्री की सटीकता, प्रमाणिकता या संवेदनशीलता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। इन दिशा निर्देशों का उल्लंघन करने पर 'केबल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) अधिनियम, 1995' के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

उत्तराखंड के मदरसों में शुक्रवार की छुट्टी खत्म, अब रविवार को रहेगा साप्ताहिक अवकाश

उत्तराखंड, 21 अक्टूबर। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मदरसों में शुक्रवार की छुट्टी खत्म कर दी और सभी छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए रविवार को छुट्टी की घोषणा की। इस साल 1 जुलाई को उत्तराखंड में मदरसा शिक्षा प्रणाली को खत्म कर दिया गया था, और ऐसा कदम उठाने वाला यह देश का पहला राज्य बन गया। अब, धामी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है - उन्होंने मदरसों में शुक्रवार की छुट्टी को खत्म कर दिया है और इसकी जगह रविवार को छुट्टी की घोषणा की है। इस कदम से राजनीतिक बहस छिड़ गई है, और मुस्लिम समुदाय के भीतर भी इसे लेकर अलग-अलग राय हैं। पुलिस लाइंस में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य में 'यूनिफॉर्म



सिविल कोड' (समान नागरिक संहिता) पहले से ही लागू है। उन्होंने तर्क दिया कि सभी के लिए एक जैसे नियम और कानून होने चाहिए, और यह सिद्धांत शिक्षा के क्षेत्र में भी लागू होता है। मुख्यमंत्री धामी ने घोषणा की कि अब से राज्य के सभी मदरसों में शुक्रवार के बजाय रविवार को छुट्टी रहेगी। हालाँकि, कांग्रेस ने शुक्रवार की छुट्टी रद्द किए जाने को महज एक राजनीतिक स्टंट करार दिया है। कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा सिंह ने कहा कि सरकार का ध्यान मस्जिदों और मदरसों के अलावा कहीं और नहीं है। उन्होंने

बताया कि शुक्रवार की छुट्टी मूल रूप से विशेष प्रार्थनाओं के लिए दी गई थी। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जहाँ एक ओर मदरसा व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है, वहीं दूसरी ओर बचे हुए मदरसों की मौजूदा हालत पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इस बीच, मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने भी इस फैसले पर आपत्ति जताई है। दूसरी ओर, शिक्षकों की भी इस पर प्रतिक्रिया आई है। इमदाद-उल-उलूम की समन्वयक शमा खान ने इस फैसले का स्वागत किया, जबकि कुछ अन्य शिक्षकों ने कहा कि वे सरकार के आदेश का पालन करेंगे। हालाँकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर आधे दिन की छुट्टी मिलती, तो नमाज अदा करना ज्यादा सुविधाजनक होता। मुख्यमंत्री धामी ने मंगलवार को देहरादून के परेड ग्राउंड में बन्नु बिरादरी द्वारा आयोजित दशहरा उत्सव में भाग लिया।

टाइगर श्रॉफ पर हमले के अमृतसर से जुड़े तार, ट्रेन में हथियार लेकर मुंबई पहुंची थी दो लड़कियां

अमृतसर, 21 अक्टूबर। अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर मुंबई में हुई फायरिंग के मामले में हथियारों की सप्लाइ का तार अमृतसर से जुड़ा है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की जांच के मुताबिक, हरियाणा के सोनीपत निवासी कुणाल और सुमित ने अमृतसर से एक पिस्टल और 20 कारतूस जुटाए थे। इसके बाद उत्तर प्रदेश की रहने वाली राधा और बबीता को हथियार मुंबई पहुंचाने की जिम्मेदारी दी गई। पुलिस ने हथियारों की सप्लाइ के आरोप में चारों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, हथियारों की सप्लाइ का यह नेटवर्क लॉरेंस गैंग के सदस्य अनिल पंडित के निर्देश पर काम कर रहा था। जांच के दौरान सामने आया है कि आरोपी कुणाल (21) और सुमित (19) ने अमृतसर से



हथियार लिए थे। इसके बाद इन दोनों ने यह हथियार राधा (23) और बबीता (23) को दे दिए। जोकि अमृतसर से ही ट्रेन में बैठ कर मुंबई के लिए रवाना हो गईं। जांच के मुताबिक, 15 अक्टूबर को कुणाल ने राधा और बबीता को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर छोड़ा था। दोनों ट्रेन से मुंबई रवाना हुईं। पिस्टल राधा के बैग में छिपाई गई थी। 17 अक्टूबर को दोनों मुंबई के

दादर रेलवे स्टेशन पहुंचीं और एक होटल में ठहरीं। इसी दिन एक नाबालिग लड़का होटल के पास राधा से बैग लेने पहुंचा था। पुलिस इस मुलाकात और हथियार आगे पहुंचाने में उसकी भूमिका की जांच कर रही है। गौर हो कि 18 अक्टूबर को टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग हुई। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में ऋतिक, रेहान और फूल सिंह की भूमिका सामने आई है। फायरिंग के बाद आरोपियों को मुंबई से बाहर निकालने की कोशिश भी की गई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 20 अक्टूबर को राधा और बबीता को दिल्ली रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया, जबकि कुणाल और सुमित को सोनीपत से पकड़ा गया।

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (काँजपा) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। विशेष सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने नेताओं को निर्देश दिया कि वे विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने होने वाली सुनवाई के फैसले की प्रतीक्षा करें। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि इसके बाद भी उनकी शिकायत बनी रहती है, तो वे उचित अपीलीय अदालत में जा सकते हैं। उच्च न्यायालय ने कहा कि अगर उनकी शिकायत बरकरार रहती है, तो वे अपीलीय अदालत का रुख कर सकते हैं। विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट



के समक्ष आज ही सुनवाई होनी है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने काँजपा के सह-संयोजकों को उनकी

याचिका वापस लेने की अनुमति दी। उन्होंने कहा कि शांति बनाए रखने के लिए भरे गए बांड का बार-

बार उल्लंघन करने के मामले में संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत रिट याचिका दायर करना उचित नहीं है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) चेतन शर्मा ने कहा कि नए जमानतदार पेश करने का मामला विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने सूचीबद्ध है। काँजपा नेताओं ने उच्च न्यायालय में तत्काल सुनवाई की मांग की थी, जिसके बाद अदालत ने

मामले पर सुनवाई की। दशहरे की छुट्टियों के कारण उच्च न्यायालय बंद था। दास और रांका ने काँजपा के अन्य कार्यकर्ताओं के साथ जंतर-मंतर पर राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शित किया था। जंतर-मंतर को पहले विरोध प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटा दिया गया था। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारे भी लगाए थे।

तेलंगाना में शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों को मिलेंगे 2 करोड़, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का ऐलान

तेलंगाना। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बुधवार को ड्यूटी के दौरान शहीद हुए पुलिसकर्मियों के लिए 2 करोड़ रुपये के मुआवजे की घोषणा की। उन्होंने यह घोषणा 'राष्ट्रीय पुलिस स्मृति दिवस' के अवसर पर आयोजित एक

कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस विभाग में सभी खाली पदों को 2028 तक भर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हेड कांस्टेबल और अरक के लिए अनुग्रह राशि (ex-gratia) को 45 लाख रुपये से बढ़ाकर 1 करोड़

रुपये कर दिया गया है; सब-इंस्पेक्टर के लिए इसे 45 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.25 करोड़ रुपये, और इंस्पेक्टर के लिए 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.25 करोड़ रुपये कर दिया गया है। DSP और एडिशनल SP रैंक के अधिकारियों के लिए यह

राशि 1.50 करोड़ रुपये थी। SP और IPS अधिकारियों के लिए मुआवजे की राशि को 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने को प्राथमिकता दे रही है।

हैदराबाद में 5.84 करोड़ रुपये का सोना और विदेशी मुद्रा जब्त, 5 लोग गिरफ्तार हैदराबाद। बांग्लादेश से सोना तस्करी करने वाले पांच लोगों को डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने गिरफ्तार किया है। इन पर विदेशी सोने को तस्करी कर कोलकाता लाने का आरोप है। इन तस्करो के पास से 3.1 किलोग्राम सोना बरामद हुआ है। बाजार में इसकी कीमत 5.84 करोड़ रुपये आंकी जा रही है।

डीआरआई ने बताया कि सोना तस्करी के बारे में पुख्ता जानकारी मिलने के बाद कार्रवाई की गई। इस ऑपरेशन में हैदराबाद जोनल यूनिट और विजयवाड़ा रीजनल यूनिट के अधिकारी शामिल रहे। उन्होंने बताया कि ऐसी जानकारी मिल रही थी कि विदेश से सोना लाकर हैदराबाद में बेचा जाता है।

इस पर एक्शन लेने के लिए विजयवाड़ा के बाहरी एरिया को टारगेट किया गया। उन्होंने बताया कि तस्करी बहुत ही चतुराई से सामान छुपा कर रखे थे। तलाशी के दौरान गाड़ी के अंदर एक ख़ास जगह कैबिनेट में छिपा कर सामान रखा गया था। गाड़ी में सवार दो लोगों से पूछताछ की गई।

सख्ती से पूछताछ के बाद दोनों ने बताया कि ये सोना विजयवाड़ा के बाहरी इलाके में पहुंचाया जा रहा था। गाड़ी में मिली रकम भी उसे ही बेच कर जमा की गई थी।



DAKS REHAB CENTRE

(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)

Contact us: 9820519851

विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाड़ा जीटीवी नगर मुंबई-37

- * Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
- * बाहर से आये रोगी और उनके परिजनों के ठहरने कि व्यवस्था
- * वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
- * DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
- * NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
- * चिकिस्ता उपकरणों को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
- * एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
- * पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
- * मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
- * विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
- * मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तियों, परिवारों और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध





दिनांक : 21 अक्टूबर 2026 से 29 अक्टूबर 2026

स्थान - बी. आर.पी. इंटर कॉलेज मैदान, जौनपुर

कथा समय - अपराह्न 3 बजे से सांय 6 बजे तक

भव्य कलश यात्रा एवं झांकी

दिनांक : 20 अक्टूबर 2026, सुबह 09:00 बजे से

हनुमान घाट से केरारवीर मंदिर चहारसू चौराहा ओलन्दगंज, पॉलिटेक्निक चौराहा, वाजिदपुर तिराहा, बी.आर.पी. इण्टर कॉलेज, मैदान

कथा व्यास : परम्पूज्य आचार्य शान्तनु जी महाराज

आप सभी रामचरणानुगामी भक्तजन सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य आयोजक

ज्ञान प्रकाश सिंह

विजयादशमी पर भागवत-संदेश मतभेद अनेक फिर भी भारत एक, यही है राष्ट्रीय एकता



-ललित गार्ग

भारत केवल एक भौगोलिक सीमा में बसा देश नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच विकसित हुई एक ऐसी सांस्कृतिक चेतना है, जिसने हजारों वर्षों से अनेक विचारों, आस्थाओं, भाषाओं, परंपराओं और जीवन-पद्धतियों को अपने भीतर स्थान दिया है। हमारी असली शक्ति इस विविधता को मिलाप में नहीं, बल्कि उसका सम्मान करते हुए एक साझा राष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने में है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत का विजयादशमी पर दिया जाने वाला वार्षिक उद्घोषण इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में विचारणीय एवं राष्ट्रीय एकता का महा-उद्घोष है। उनके संदेश में देश की एकता, सामाजिक सद्भाव, नागरिक अनुशासन और भारत के सामने उपस्थित चुनौतियों के प्रति सजग रहने का आह्वान है। यह संदेश किसी एक संगठन, विचारधारा अथवा राजनीतिक पक्ष तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे राष्ट्रीय जीवन के आत्ममंथन का अवसर बनाना चाहिए। आज भारत जिस वैश्विक परिवेश में आगे बढ़ रहा है, उसमें उसकी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता, लोकतांत्रिक व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव का विस्तार अनेक संभावनाएं पैदा कर रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक उपलब्धियों, सैन्य सामर्थ्य अथवा वैश्विक प्रतिष्ठा से नहीं मापी जाती। उसकी सबसे बड़ी शक्ति होती है-उसके नागरिकों का परस्पर विश्वास, संस्थाओं के प्रति सम्मान और संकट के समय एकजुट होकर खड़े होने की क्षमता। यदि सामाजिक ताने-बाने में अविश्वास गहरा जाए, संवाद की जगह कटुता ले ले और राजनीतिक अथवा वैचारिक मतभेद शत्रुता में बदल जाएं, तो बाहरी चुनौतियों से अधिक गंभीर संकट भीतर पैदा होने लगता है।

भारत के पड़ोस में पाकिस्तान की ओर से लंबे समय से चली आ रही सुरक्षा चुनौतियाँ, आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता की आशंकाएं हमारी सतर्कता की मांग करती हैं। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अमेरिका सहित विभिन्न शक्तियों के साथ भारत के संबंधों में सहयोग और प्रतिस्पर्धा, दोनों के आयाग मौजूद हैं। इसलिए किसी भी देश की नीतियों का आकलन भावनाओं के बजाय तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और कूटनीतिक विवेक के आधार पर किया जाना चाहिए। यह मान लेना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक विदेशी शक्ति भारत को कमजोर करने के उद्देश्य से ही काम कर रही है, लेकिन यह समझना भी आवश्यक है कि वैश्विक राजनीति में हर देश अपने हितों को प्राथमिकता देता है। ऐसे समय में भारत की सबसे बड़ी सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों के हाथों में नहीं, बल्कि देश के भीतर नागरिकों के बीच कायम विश्वास में भी निहित है। कोई भी बाहरी शक्ति तभी हमारी आंतरिक कमजोरियों का लाभ उठा सकती है, जब हम स्वयं अपने मतभेदों को इतना गहरा कर लें कि एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी नहीं, शत्रु समझने लगें। इसलिए राष्ट्रीय एकता केवल भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि रणनीतिक आवश्यकता भी है। देश की सीमाओं की रक्षा जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है उन सीमाओं के भीतर रहने वाले लोगों के दिलों के बीच विश्वास की दीवारों को मजबूत करना।

बांग्लादेश और फ्रांस में अलग-अलग परिस्थितियों में हुए आंदोलनों तथा सामाजिक-राजनीतिक उथल-पुथल का उल्लेख करते हुए हमें यह समझना चाहिए कि किसी भी देश में असंतोष को अन्देखा करना और असंतोष की हिंसा में बदलने तक-दोनों ही स्थितियां नुकसानदेह हो सकती हैं। जनता की वास्तविक समस्याओं को सुनना लोकतंत्र की जिम्मेदारी है, जबकि विचार के नाम पर हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और समाज में घृणा फैलाना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। भारत जैसे विशाल और बहुलतावादी लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं। बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, सामाजिक न्याय और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे विषयों पर नागरिकों को प्रश्न उठाने और शांतिपूर्ण विरोध करने का पूरा अधिकार है। सरकारों का दायित्व है कि वे इन आवाजों को गंभीरता से सुनें और समाधान की दिशा में काम करें। वहीं नागरिकों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे जनमतवादीओं का उपयोग समाज को बांटने के बजाय यकायकत्व परिवर्तन के लिए करें। लोकतंत्र में असहमति देशविरोध नहीं होती और सत्ता से प्रश्न करना राष्ट्र के प्रति अविश्वास का प्रमाण नहीं है। राष्ट्रहित की वास्तविक कसौटी यह है कि हम अपनी असहमति के बावजूद संवैधानिक मर्यादाओं और सामाजिक सद्भाव को बनाए रखें।

आज राष्ट्रीय एकता के सामने एक नई चुनौती डिजिटल माध्यमों के अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदाराना उपयोग से उत्पन्न हो रही है। सोशल मीडिया ने सामान्य नागरिक को अपनी बात कहने का मंच दिया है, लेकिन इसी माध्यम से झूठी खबरें, भ्रामक वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार की गई नकली सामग्री और आधे-अधूरे तथ्यों को भी तेजी से फैलाना जा सकता है। ऐसी सामग्री लोगों के मन में भय, आक्रोश और अविश्वास पैदा करके सामाजिक संबंधों को नुकसान पहुंचा सकती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनती है, जब किसी धर्म, जाति, भाषा अथवा समुदाय के बारे में एकराष्ट्र सामग्री फैलाकर पूरे समाज को संदेह की दृष्टि से देखने के लिए उकसाया जाता है। एक झूठा संदेश वार्गों से बने आपसी विश्वास को क्षणभर में चोट पहुंचा सकता है। इसलिए आज डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ नैतिक विवेक की भी आवश्यकता है। किसी संदेश को आगे बढ़ाने से पहले उसकी सत्यता जांचना, उत्तेजक सामग्री से बचना और असत्य फैलाने वालों का विरोध करना भी राष्ट्रप्रेमा का आधुनिक स्वरूप है। तकनीक तभी वरदान बन सकती है, जब उसके साथ जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना जुड़ी हो। भारत की एकता का अर्थ यह नहीं कि सभी नागरिक एक जैसा सोचें, एक जैसी पूजा-पद्धति अपनाएं अथवा सभी राजनीतिक प्रश्नों पर एकमत हों। एकता का वास्तविक अर्थ है कि अलग-अलग विचारों के बावजूद हम एक-दूसरे के सम्मान, अधिकारों और अस्तित्व को स्वीकार करें। संविधान ने हमें समान नागरिकता, धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और न्याय की जो भावना दी है, वही हमारे राष्ट्रीय सठअस्तित्व की आधारशिला है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी छोटी-छोटी पहचानों को राष्ट्रीय पहचान के विरोध में खड़ा न करें। धर्म हमें रूढ़िकता सिखाए, राजनीति जनकल्याण का माध्यम बने, शिक्षा विवेक पैदा करे और सामाजिक संगठन सेवा तथा समरसता को बढ़ावा दें। कोई भी विचारधारा तभी राष्ट्र के लिए उपयोगी है, जब यह समाज को बेहतर बनाने, कमजोरों को सहारा देने और नागरिकों में जिम्मेदारी का भाव जगाने में योगदान करे।

राष्ट्रीय एकता की छतरी इतनी विशाल होनी चाहिए कि उसमें हर धर्म, हर भाषा, हर क्षेत्र, हर जाति और हर वैचारिक पृष्ठभूमि का भारतीय सम्मानपूर्ण एकता हो सके। यहां किसी की देशभक्ति का निर्णय केवल उसकी धार्मिक पहचान, राजनीतिक पसंद या वैचारिक असहमति से नहीं होना चाहिए। देश के प्रति प्रतिबद्धता का मूल्यांकन उसके आचरण, संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान और समाज के लिए किए गए योगदान से होना चाहिए। मोहन भागवत के उद्घोषण का एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जिम्मेदारी का विचार भी है। राष्ट्रनिर्माण केवल सरकारों, नेताओं, सेनाओं या सामाजिक संगठनों का काम नहीं है। प्रत्येक नागरिक अपनी भूमिका से देश की दिशा प्रभावित करता है। ईमानदारी से काम करना, कानून का पालन करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, महिलाओं का सम्मान करना, जरूरतमंदों की सहायता करना और सामाजिक तनाव के समय संयम बरतना-ये सभी राष्ट्रसेवा के व्यावहारिक रूप हैं। साथ ही राष्ट्रीय एकता के नाम पर अन्याय, भेदभाव अथवा नागरिकों की वास्तविक समस्याओं की अनदेखी भी नहीं होनी चाहिए। हम सबजुट राष्ट्र वह है, जहां नागरिक निष्पक्ष होकर अपनी बात कह सकें, संस्थाओं निष्पक्षता से काम करें और हर व्यक्ति को न्याय मिलने की उम्मीद हो। आज भारत को ऐसी राष्ट्रीय चेतना की आवश्यकता है, जो हमें एक-दूसरे के विरुद्ध नहीं, बल्कि एक-दूसरे के साथ खड़ा होना सिखाए। मतभेदों पर, मनभेदों न बढ़ें, विचार अलग हों, पर राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी साझा रहे। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा हो, पर सामाजिक संबंधों में शत्रुता न आए। हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी बाहरी चुनौती अथवा आंतरिक तनाव के सामने भारत की एकता, संविधान की गरिमा और मानवता का सम्मान कमजोर नहीं पड़ने देंगे। भारत की सबसे बड़ी विजय तब होगी, जब अनेक विचारों के बीच एक साझा विश्वास जीवित रहेगा। हम अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हमारा भविष्य एक है, हमारी धरती एक है और हमारा राष्ट्र भारत है। मोहन भागवत का यही विजयादशमी का व्यापक संदेश है और यही समय की सबसे बड़ी पुकार है।

सरसंघचालक मोहन भागवत का संदेश: सत्ता परिवर्तन का भ्रम और राष्ट्र की आंतरिक स्थिरता



अशोक भाटिया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने नामपुर में संघ के शताब्दी वर्ष के ऐतिहासिक विजयदशमी उत्सव (20 अक्टूबर 2026) के मंच से एक ऐसा वैचारिक विमर्श देश के सामने रखा है, जो केवल तात्कालिक राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक भू-राजनीति की गहरी समझ को रेखांकित करता है। उन्होंने समकालीन विश्व की उथल-पुथल, विशेषकर बांग्लादेश, नेपाल और पश्चिम के देशों में मंचे सामाजिक-राजनीतिक घमासान का हवाला देते हुए एक अत्यंत गंभीर और दूरगामी वक्तव्य दिया। उनका यह स्पष्ट कथन कि रिजोम चेंज करने से परिस्थितियां नहीं बदलतीं, ऐसा पहले भी नहीं हुआ है और आज भी नहीं होगा, आज के वैश्विक और भारतीय परिदृश्य में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और विचारणीय विमर्श की मांग करता है। यह विश्लेषण इस बात को गहराई से रेखांकित करता है कि आखिर क्यों बाहरी सत्ताओं का बदलना किसी देश की बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता, और क्यों भारत को वैश्विक 'आसुरी ताकतों' के इस चक्रव्यूह से सावधान रहने की ऐतिहासिक, प्रासंगिक और

आवश्यकता है।

इतिहास और समकालीन विश्व राजनीति इस बात की गवाह हैं कि जब-जब किसी राष्ट्र में व्यवस्था को भीतर से सुधारने के बजाय हिंसक, अराजक या विदेशी प्रायोजित तरीकों से केवल 'शीर्ष' को बदलने का प्रयास किया गया है, वहां की जनता को विनाशकारी परिणाम भुगतने पड़े हैं। मोहन भागवत ने अपने संबोधन में फ्रांस, अल्बानिया, बांग्लादेश और नेपाल जैसे विविध भौगोलिक, सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले देशों के उदाहरण देकर इसी शाश्वत सत्य की ओर दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। पश्चिम से उठे सांस्कृतिक मार्क्सवाद या 'वोक' विमर्श के उस आधुनिक तुफान का जिक्र करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल सत्ताओं को बदलने का साधारण राजनीतिक आंदोलन नहीं है, बल्कि यह हर स्थापित मानवीय मूल्य, पारंपरिक सामाजिक ताने-बाने, पारिवारिक मर्यादाओं और राष्ट्रीय अस्मिता को मटियामेट करने की एक अत्यंत अराजक चेष्टा है। जब किसी समाज में केवल स्थापित सत्ता को उखाड़ फेंकने को ही परम लक्ष्य मान लिया जाता है, तो उसके बाद पैदा होने वाला शून्यता का दौर उस देश को गृहयुद्ध, आर्थिक कंगाली और चरमपंथ की आग में झोंक देता है। हाल के वर्षों में हमने देखा है कि जिन भी देशों में बाहरी ताकतों के सहयोग या आंतरिक उन्माद के दम पर अचानक 'रिजोम चेंज' हुआ, वहां लोकतंत्र मजबूत होने के बजाय अराजकता, कट्टरपंथ और सेना का दखल अधिक गहरा हो गया। भागवत का यह बयान इसी कड़वी हकीकत का एक ऐतिहासिक, प्रासंगिक और

दार्शनिक विश्लेषण है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत के संदर्भ में संघ प्रमुख का यह वक्तव्य एक अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक चेतानी के रूप में सामने आता है। वर्तमान में भारत वैश्विक पटल पर आर्थिक, सामरिक, कूटनीतिक और तकनीकी मोर्चे पर अद्वितीय प्रगति कर रहा है और एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। लेकिन इस अभूतपूर्व प्रगति के साथ ही भारत के प्रति वैश्विक शक्तियों की ईर्ष्या और असहजता भी खतरनाक स्तर पर बढ़ी है। सरसंघचालक ने बहुत ही बेबाकी से उन 'आसुरी ताकतों' की ओर इशारा किया जो दुनिया भर



में अपने आर्थिक और राजनीतिक वर्चस्व को साधे रखने के लिए विभिन्न देशों में अपने 'पिछू' स्थापित करना चाहती हैं। चूंकि ये ताकतें भारत को सैन्य या आर्थिक रूप से सीधे टक्कर देने की स्थिति में नहीं हैं, इसलिए वे भारत के भीतर ही अदृश्य विभाजनकारी रेखाएं खींचने का कुत्सित प्रयास कर रही हैं। जाति, भाषा, प्रांतीयता, वर्ग और संप्रदाय के नाम पर समाज के दायरे में रहकर काम करने की को आपस में लड़ाइ नए ताकतों का मुख्य सामरिक औजार बन चुका है। भारत को अस्थिर करने के लिए एक सुनियोजित 'नैरेटिव वॉर' और 'टूलकिट' प्रोपेगैंडा चलाया जा रहा है, जिसका एकमात्र उद्देश्य देश की संवैधानिक संस्थाओं, न्यायपालिका और सुरक्षा तंत्र की विश्वसनीयता को धूल-धूसरित करना है। हाल के

दिनों में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य संवैधानिक पदों के खिलाफ जिस तरह के प्रायोजित, हिंसक और तीखे प्रदर्शन देखने को मिले हैं, वे इसी गहरी वैश्विक साजिश का हिस्सा प्रतीत होते हैं, जिसका लक्ष्य देश में एक कृत्रिम संकट पैदा करना है।

एक जीवंत लोकतंत्र में असहमति, विरोध और शांतिपूर्ण आंदोलन स्वाभाविक हैं और इन्हें किसी भी जागरूक समाज का आवश्यक लक्षण माना जाना चाहिए। मोहन भागवत ने भी अपने भाषण में स्पष्ट किया कि व्यवस्था की कमियों के खिलाफ आवाज उठाना जनता का लोकतांत्रिक अधिकार है और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। परंतु, समस्या तब उत्पन्न होती है जब इन आंदोलनों की नियंत्रण और फंडिंग देशविरोधी ताकतों, विदेशी संस्थाओं या संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के हाथ में चला जाता है। ऐसी स्थिति में वे आंदोलन राष्ट्र की संप्रभुता और आखंडता के लिए सीधा खतरा बन जाते हैं। यही कारण है कि संघ प्रमुख ने देश के प्रदर्शनकारियों, नागरिक समाज, प्रशासनिक तंत्र और राजनीतिक नेतृत्व-सभी से एक सुर में संविधान, कानून और नागरिकता के दायरे में रहकर काम करने की पुुरजोर अपील की है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में यदि संकीर्ण पर होने वाले हिंसक फैसले संसद और सर्वोच्च न्यायालयों से बड़े होने लगेंगे, तो वह देश बहुत जल्द अराजकता के गर्त में गिर जाएगा। आंदोलनों को राजनीतिक रोटियां सेकने और देश को वैश्विक स्तर पर बदनाम करने का जरिया बनाने के बजाय, उनका उद्देश्य हमेशा

रचनात्मक और सुधारात्मक होना चाहिए। जब तक देश का हर नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने नागरिक कर्तव्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति सचेत नहीं होगा, तब तक हम इन आधुनिक हाइब्रिड वॉरफेयर और आंतरिक साजिशों का पूरी ताकत से मुकाबला नहीं कर पाएंगे।

इस पूरे विमर्श का सबसे दार्शनिक और व्यावहारिक पहलू यह है कि किसी भी राष्ट्र की बुनियादी समस्याओं का स्थायी समाधान केवल राजनीतिक उथल-पुथल, नारों या शासकों को बदल देने से कभी नहीं होता। असली, टिकाऊ और स्थायी बदलाव हमेशा समाज के भीतर से, उसकी चेतना से आता है। जब तक समाज का नैतिक पतन होता रहेगा, जब तक हम अपनी सांस्कृतिक चुनौतियों को व्यवस्था परिवर्तन कर देने से देश का भाग्य नहीं बदलेगा। भारत का इतिहास इस बात का जीवंत साक्षी है कि हमारी वास्तविक शक्ति हमेशा से हमारी सांस्कृतिक एकजुटता, आपसी भाईचारे और आध्यात्मिक चेतना में रही है, न कि केवल राजसी सत्ताओं के महलों में। यदि समाज भीतर से जातिघों और संप्रदायों में बंटा हो और खोखला हो, तो दुनिया की सबसे मजबूत राजनीतिक व्यवस्था भी ताश के पत्तों की तरह हड़ जाती है। इसलिए, वर्तमान समय की सबसे बड़ी मांग यह है कि हम केवल राजनीतिक दोषारोपण और रोज-रोज के चुनावी नफे-नुकसान के खेल में न उलझकर एक सजग,

समरस, सुशिक्षित और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण में जुटें। जब देश का सामाजिक ताना-बाना मजबूत होगा, तो दुनिया की कोई भी 'आसुरी ताकत' या विदेशों से प्रायोजित कोई भी आंदोलन हमारे लोकतंत्र और संप्रभुता को हिला नहीं पाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोहन भागवत के इस महत्वपूर्ण संबोधन को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए 'प्रेरणादायी' बताना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि देश का शीर्ष राजनीतिक और नीतिगत नेतृत्व भी इन वैश्विक चुनौतियों के गंभीरता को भली-भांति समझता है। यह समय दलगत राजनीति, तुष्टिकरण और संकीर्ण क्षेत्रीय हितों से ऊपर उठकर 'राष्ट्रधर्म' की भावना को पूर्ण रूप से आत्मसात करने का है। विपक्ष हो या सत्ता पक्ष, सभी को यह जिम्मेदारी समझनी होगी कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और सत्ता की भूख देश की सुरक्षा और साख की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। संघ के शताब्दी वर्ष में दिया गया यह विजयदशमी संदेश केवल एक भाषण नहीं, बल्कि देश के नागरिकों के लिए एक गंभीर आत्ममंथन का आह्वान है। हमें एक नागरिक के तौर पर यह तय करना होगा कि क्या हम बाहरी ताकतों के हाथ की ओर पतलूती बनकर अपने ही देश को आंतरिक कलह की आग में झोंकने वाले अदृश्य एजेंडों का हिस्सा बनने, या फिर अपनी संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर रहकर एक सुदृढ़, अखंड, समरस और प्रगतिशील भारत का निर्माण करेंगे। 'रिजोम चेंज' की इस भ्रामक मृगमुरीचिका से बाहर निकलकर अपनी आंतरिक सामाजिक शक्ति को पहचानना ही आज के वैश्विक संकट काल में भारत का एकमात्र सुरक्षित और गौरवशाली मार्ग है।

चरित्र हनन पर उतारू घिनौना गोदी मीडिया



इस्तेमाल किया जा चुका है। वैश्विक विश्लेषक मानते हैं कि भारतीय मुख्यधारा के न्यूज चैनलों पर गरीबी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे गंभीर और जनहित के मुद्दों के बजाय सनसनीखेज खबरों, मंदिर मस्जिद,हिन्दू मुस्लिम जैसे राजनीतिक ध्रुवीकरण और झंपर आधारित शोर-शराबे वाली बहसों का तरजोह दी जाती है। वैश्विक स्तर पर बीबीसी या न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे मीडिया संस्थान जहां अपनी खोजी और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए जाने जाते हैं वहीं इसके विपरीत, भारतीय मीडिया का एक बड़ा हिस्सा सरकारी विज्ञापनों और आर्थिक लाभ के दबाव में आकर केवल 'प्रेस रिलीज' और सरकार के एजेंडों के ही आगे बढ़ाता हुआ दिखाई देता है। यही वजह है कि जहाँ एक ओर कथित देशद्रोह से जुड़े कड़े कानूनों का भी

अनेक बड़े अखबारों की साख अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गिरी है वहीं एक ओर दूर में भारत के अनेक स्वतंत्र लेखकों व डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म और ईमानदार खोजी व सत्ता से सवाल पूछने का साहस रखने वाले यूट्यूब चैनलों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए सराहा भी जा रहा है।

मुख्यधारा के इसी भारतीय मीडिया का हिस्सा कहे जाने वाले एबीपी नेटवर्क के डिजिटल प्लेटफॉर्म ने पिछले दिनों एक ऐसा झूठ व घिनौना प्रसारण किया जिससे राहुल मीडियार का चरित्र एक बार फिर बेनकाब हो गया। सत्ता से सवाल पूछने वाली भारत की एक जानी मानी लोक गायिका नेहा सिंह राठौर से जुड़ी एक भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत खबर ह्यूबबीपी न्यूजहू पर प्रकाशित की गई। इस रिपोर्ट में नेहा का नाम एक राठौर से जुड़े एक कथित सेक्स रैकेट से जोड़ने जैसी बात सामने आई थी। इस खबर के प्रकाशित होते ही नेहा सिंह राठौर ने आरोप लगाया कि ह्यूबबीपी न्यूज चैनल उन्हें दुर्भावपूर्ण तरीके से 'वैश्या' और 'कॉल गर्ल' के रूप में चित्रित करना चाहता है। उन्होंने इसे सरकार से

सवाल पूछने पर उनकी छवि धूमिल करने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की 'सुपारी' पत्रकारिता' बताया। हालांकि विवाद बढ़ने और आलोचनाएं होने के बाद, एबीपी न्यूज ने अपनी गलती स्वीकार की। 17 अक्टूबर 2026 को चैनल ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए इस त्रुटिपूर्ण प्रसारण पर खेव व्यक्त किया और सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। चैनल ने स्पष्ट किया कि यह एक तथ्यात्मक भूल थी और उनका ऐसा कोई इरादा नहीं था। खबर है कि एबीपी नेटवर्क ने इस संपादकीय चूक को गंभीरता से लेते हुए अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म के तीन प्रमुख कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त भी कर दिया है। एबीपी न्यूज डिजिटल से तीन लोगों को प्रबंधन द्वारा निष्कासित किया जा चुका है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस घटना से दूसरे गोदी मीडिया हाउस में कार्यरत लोग भी सबक लेते हुये झूठी,मनगढ़त व किसी बेगुनाह को चरित्र हनन करने वाली खबरों को क्रांस्चेक करिये बिना प्रकाशित या प्रसारित करने से परहेज करेंगे। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुये सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को पत्र लिखकर संबंधित नियामक और

मीडिया स्व-नियामक संस्थाओं के माध्यम से 15 दिनों के भीतर समयबद्ध कार्रवाई और रिपोर्ट मांगी है।

परन्तु सवाल यह उठ रहा है कि यह कौनसे चूक या त्रुटि थी अथवा जानबूझकर किया गया अपराधधिक कृत्य ? नेहा सिंह राठौर ने भी चैनल की माफी को अस्वीकार करते हुए स्पष्ट किया है कि वे इस मामले को लेकर अदालत जाएंगी और कानूनी लड़ाई लड़ेंगी। यहां यह सवाल पूछना लाजिमी है कि आखिर किसी भी खबर को प्रकाशित करने से पहले तथ्यों की जांच करना जरूरी है भी या नहीं ? अगर कोई खबर गलत साबित होती है, तो क्या केवल मुआफी मांग लेना भर पर्याप्त है ? निश्चित रूप से नेहा सिंह राठौड़ का चरित्र हनन करने के धिनौने प्रयास का यह मामला मीडिया की जवाबदेही पर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है। बेशक यदि कोई न्यूज चैनल या डिजिटल प्लटफॉर्म का मनगढ़ंत खबर चलाकर किसी महिला को अपमानित करता है तो उस न्यूज चैनल की विश्वसनीयता तो खत्म होती ही है साथ ही पीडित महिला की अनंत तकलीफें भी उसी अफवाहों से शुरू होती हैं। यह संतोष की बात है कि राष्ट्रीय महिला आयोग

ने नेहा का नाम जोड़कर चलाई गई एबीपी न्यूज की झूठी व घटिया खबर का स्वतः संज्ञान लिया है। उम्मीद की जानी चाहिये कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

लेकिन यह पूरा मामला चूँकि सत्ता की मुखर आलोचक के रूप में अपनी पहचान रखने वाली लोक गायिका नेहा राठौर व सत्ता की चालूसूरी में दंडवत करते रहने वाले शुद्ध व्यावसायिक मानसिकता वाले मीडिया घराने से जुड़ा है इसलिए यह संदेह होना भी जायज है कि यह वास्तव में भूलवश या गलती से किया गया प्रसारण था अथवा जानबूझकर किसी के इशारे पर या किसी की खुश करने के लिये किया गया अपराध ? यह तो कानूनी कार्रवाई का घरा पता चल सकेगा या फिर इस मामले को लेकर संबंधित मीडिया हाँउस से निष्कासित किये गये कर्मचारियों की स्वीकारिता इसके मामले को पटाक्षेप कर सकती है। परन्तु फिलहाल इस घटना से देश और दुनिया में गिरती भारतीय मीडिया की साख के बीच में ही यह संदेश फिर चला गया है कि घिनौना गोदी मीडिया चरित्र हनन पर उतारू हो चुका है। -निर्मल रानी

देश में भगदड़ की त्रासदी

होना, किसी वीआईपी के आगमन की सूचना या किसी खतरे की आशंका कुछ ही सेकंड में लोगों को एक साथ भागने पर मजबूर कर सकती है। कोलकाता दुर्गा पूजा 2026 में भारी वर्षा और अव्यवस्थित निकासी ने ऐसी ही स्थिति पैदा की। अक्सर लोग वास्तविक खतरे से नहीं, बल्कि दूसरों को भागते देखकर स्वयं भी दौड़ पड़ते हैं।

चीथा कारण आयोजनों की कमजोर योजना और जोखिम आकलन की कमी है। कई

भगदड़ केवल भीड़ के दौड़ने का परिणाम नहीं होती, बल्कि अत्यधिक भीड़-घनत्व, अनियंत्रित दबाव और निकासी व्यवस्था की विफलता से उत्पन्न होने वाली मानव-निर्मित आपदा है। अक्टूबर 2026 में कोलकाता दुर्गा पूजा के दौरान हुई भगदड़, जिसमें 19 लोगों की मृत्यु हुई, ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक तकनीक और अनुभव होने के बावजूद भारत में भीड़ प्रबंधन की गंभीर कमियां बनी हुई हैं।

आयोजनों में आगंतुकों की संभावित संख्या का वैज्ञानिक अनुमान नहीं लगाया जाता। प्रवेश और निकास के समय का विभाजन नहीं किया जाता तथा भीड़ के अलग-अलग प्रवाह को नियंत्रित करने की व्यवस्था नहीं होती। बेगलुरु में 2025 के आरसीबी विजय समारोह के दौरान भीड़ नियंत्रण की अपर्याप्त तैयारी ने

इस समस्या को उजागर किया।

पांचवां कारण विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी है। पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन सेवा, परिवहन विभाग और आयोजन समिति के बीच स्पष्ट जिम्मेदारी का अभाव प्रतिक्रिया को धीमा कर देता है। आपातकालीन चिकित्सा सहायता समय पर न पहुंच पाने से कई घायल लोगों की जान चली जाती है।

इन घटनाओं की रोकथाम के लिए सबसे पहले क्षमता-आधारित प्रवेश व्यवस्था लागू करनी होगी।

भगदड़ केवल भीड़ के दौड़ने का परिणाम नहीं होती, बल्कि अत्यधिक भीड़-घनत्व, अनियंत्रित दबाव और निकासी व्यवस्था की विफलता से उत्पन्न होने वाली मानव-निर्मित आपदा है। अक्टूबर 2026 में कोलकाता दुर्गा पूजा के दौरान हुई भगदड़, जिसमें 19 लोगों की मृत्यु हुई, ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक तकनीक और अनुभव होने के बावजूद भारत में भीड़ प्रबंधन की गंभीर कमियां बनी हुई हैं।

आयोजनों में आगंतुकों की संभावित संख्या का वैज्ञानिक अनुमान नहीं लगाया जाता। प्रवेश और निकास के समय का विभाजन नहीं किया जाता तथा भीड़ के अलग-अलग प्रवाह को नियंत्रित करने की व्यवस्था नहीं होती। बेगलुरु में 2025 के आरसीबी विजय समारोह के दौरान भीड़ नियंत्रण की अपर्याप्त तैयारी ने

इस समस्या को उजागर किया।

पांचवां कारण विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी है। पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन सेवा, परिवहन विभाग और आयोजन समिति के बीच स्पष्ट जिम्मेदारी का अभाव प्रतिक्रिया को धीमा कर देता है। आपातकालीन चिकित्सा सहायता समय पर न पहुंच पाने से कई घायल लोगों की जान चली जाती है।

निगरानी को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। सीसीटीवी कैमरे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), ड्रोन, रियल-टाइम भीड़ घनत्व विश्लेषण और स्वचालित चेतानी प्रणाली प्रशासन को पहले से संकेत दे सकती है कि किस स्थान पर दबाव बढ़ रहा है। स्मार्ट संसरों की सहायता से भीड़ के असामान्य व्यवहार की तुरंत पहचान संभव है।

तीसरा, सुरक्षित आधारभूत संरचना विकसित करना आवश्यक है। प्रवेश और निकास मार्ग अलग-अलग होने चाहिए, पर्याप्त चौड़े गलियारे बनाए जाएं, बैरिकेड मजबूत हों और स्पष्ट संकेतक लगाए जाएं। आपातकालीन निकासी गलियारों को हमेशा खाली रखा जाए ताकि आवश्यकता पड़ने पर लोग शीघ्र बाहर निकल सकें।

चीथा, आपातकालीन तैयारी को प्रत्येक बड़े आयोजन का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। आयोजन से पहले मांक डिजिटल एनालिसिस की जाए, चिकित्सा दल, एंबुलेंसर और प्राथमिक उपचार केंद्र तैयार रहें तथा प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को भीड़ का मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी दी जाए। सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से समय-समय पर लोगों को शांत और व्यवस्थित रहने के निर्देश दिए जाएं।

पांचवां, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (उउअअ) के दिशा-निर्देशों का कठोर पालन सुनिश्चित

किया जाना चाहिए। प्रत्येक बड़े आयोजन से पहले सुरक्षा ऑडिट कराया जाए, आयोजकों की कानूनी जवाबदेही तय की जाए और लापरवाही पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। इससे सुरक्षा को केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि अनिवार्य जिम्मेदारी के रूप में देखा जाएगा।

इसके अतिरिक्त, जन-जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोगों को यह बताया जाना चाहिए कि भीड़ में धक्का-मुक्की न करें, गिरने वाले व्यक्ति को उठाने में सहायता करें, अफवाहों पर विश्वास न करें और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। स्कूली, कॉलेजों और सामुदायिक संस्थाओं में भीड़ सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण भविष्य में जोखिम कम कर सकता है।

अंततः, भारत में भगदड़ की घटनाएं यह संदेश देती हैं कि केवल हिस्सा बनाया जाना चाहिए। आयोजन से पहले मांक डिजिटल एनालिसिस की जाए, चिकित्सा दल, एंबुलेंसर और प्राथमिक उपचार केंद्र तैयार रहें तथा प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को भीड़ का मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी दी जाए। सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से समय-समय पर लोगों को शांत और व्यवस्थित रहने के निर्देश दिए जाएं। पांचवां, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (उउअअ) के दिशा-निर्देशों का कठोर पालन सुनिश्चित



प्रगति मित्र मंडल का 15वां दुर्गा पूजा महोत्सव हर्षोल्लाष व धूमधाम से संपन्न



दिवा (ठाणे) (उत्तरशक्ति)। दिवा की सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था प्रगति मित्र मंडल द्वारा आयोजित 15वां सार्वजनिक दुर्गा पूजा महोत्सव हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। संस्था ने 15 वर्षों से चली आ रही अपनी परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष भी भव्य आयोजन किया। महोत्सव के दौरान आकर्षक पूजा पंडाल, मां दुर्गा और मां लक्ष्मी की मनमोहक प्रतिमाएं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर महाप्रसाद वितरण के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, पत्रकारों, अधिकाओं और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

महोत्सव को सफल बनाने में मंडल के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों और विभिन्न समितियों के सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अध्यक्ष पल्लव पॉल, गौतम घोष, बप्पा मंडल और लालमोहन बी. सहित प्रबंधन प्रमुख प्रणब कर्मकार, महासचिव शंकर कोले, शांतनु दुबू, देवव्रत मलिक व सुभाष घोष तथा सचिव प्रणब पॉल और सिंदू कोले के मार्गदर्शन में आयोजन संपन्न हुआ। इसके अलावा उपाध्यक्षों, सह-सचिवों, कोषाध्यक्षों, पूजा प्रबंधन समिति, कार्यकारिणी और प्रसाद वितरण समिति के सदस्यों ने दिन-रात मेहनत कर आयोजन को सफल बनाया। मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि दिवा के नागरिकों के प्रेम और सहयोग से संस्था ने 15 वर्षों का सफर सफलतापूर्वक पूरा किया है। अंत में पूजा समिति ने सभी कार्यकर्ताओं, श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पालघर में 23 अक्टूबर को पालकमंत्री गणेश नाईक का जनता दरबार



पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के नागरिकों की समस्याओं को जानने और उनके साथ सीधे संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र के वनमंत्री तथा पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक की अध्यक्षता में शुरुवार 23 अक्टूबर 2026 को पालघर जिलाधिकारी कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जायेगा। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू होगा। जनता दरबार के माध्यम से जिले के नागरिकों को अपनी विभिन्न समस्याओं, शिकायतों और अन्य विषयों से संबंधित निवेदन सीधे पालकमंत्री गणेश नाईक के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को सुनना तथा संबंधित विषयों पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना है इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों के कार्यालय प्रमुख भी उपस्थित रहेंगे। इससे नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखने और संबंधित विभागों तक अपनी बात पहुंचाने का अवसर प्राप्त होगा। जिला प्रशासन को इस पहल के माध्यम से नागरिकों और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने पर जोर दिया जा रहा है।

मिआ बाए तनिष्क का नया लाइटस्केप्स कलेक्शन - त्योहारों की चमक और खूबसूरती को आभूषणों में उतारा मुंबई/पटना। भारत के अग्रणी समकालीन फाइन ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक, मिआ बाए तनिष्क ने त्योहारों के खुशनुमा माहौल की चमक को बढ़ाते हुए पेश किया है अपना नया कलेक्शन 'लाइटस्केप्स'। यह कलेक्शन त्योहारों के दौरान धरो और उत्सवों को रोशन करने वाली खूबसूरत लाइट्स के जादू से प्रेरित है। प्लेन सोने, नेचुरल डायमंड्स और रंगबिरंगे स्टोन्स में 230 से अधिक आकर्षक डिजाइन्स का यह कलेक्शन, अनूठी कारीगरी, आधुनिक स्टाइलिंग और रोशनी की शानदार चमक का एक बेहतरीन संगम है। दुनिया भर में उत्सव के प्रतीक रोशनी से प्रेरणा लेते हुए, 'लाइटस्केप्स' कलेक्शन दर्शाता है कि रोशनी शायदियों, त्योहारों और हर खास मौके पर लोगों को एक साथ लाती है। खुशी, उम्मीद और अपनेपन के एक सदाबहार प्रतीक के रूप में, रोशनी आपसी जुड़ाव के खूबसूरत पल बनाती है—जिन्हें 'लाइटस्केप्स' ने आभूषणों की शानदार चमक में बदल दिया है। झरनों की तरह गिरती रोशनी, पानी में चमकते प्रतिबिंब, दीयों की टिमटिमाती लौ और रोशनी के ऐसे ही कई खूबसूरत रूपों से प्रेरणा लेकर इस कलेक्शन को तैयार किया गया है, जिसे आधुनिक ज्वेलरी डिजाइन्स का रूप दिया गया है। अपनी ढेरों स्टाइल के साथ, यह कलेक्शन उन सभी के लिए एक शानदार विकल्प है जो इस त्योहारी सीजन में अपने लुक को खास बनाना चाहते हैं या अपने अपनों को कुछ सबसे स्पेशल गिफ्ट करना चाहते हैं। यह कलेक्शन गिफ्ट देने के लिए एक बेहतरीन विकल्प है, इसमें शामिल फाइन ज्वेलरी की एक बड़ी रेंज मुख्य रूप से 50,000 से कम की कीमत में उपलब्ध है। खुद के लिए खरीदने या किसी खास मौके पर अपनों को गिफ्ट देने के लिए यह बजट इन आभूषणों को एक प्यारा और समझदारी भरा विकल्प बनाता है।

हिंदुस्तान जिंक ने दूसरी तिमाही में 6,412 करोड़ का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ दर्ज किया

मुंबई/पटना। विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 चांदी उत्पादकों में शामिल हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया। कंपनी ने 15,093 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक तिमाही परिचालन राजस्व दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 77% अधिक है; 9,285 करोड़ का अब तक का सर्वाधिक तिमाही EBITDA, जो सालाना आधार पर 108% अधिक है; और 11,881 करोड़ का रिकॉर्ड तिमाही शुद्ध लाभ, जो सालाना आधार पर 142% अधिक है।

इस प्रदर्शन का आधार रहा 271 किलो टन (KT) का अब तक का सर्वाधिक दूसरी तिमाही खनिज धातु उत्पादन, 264 KT का रिकॉर्ड दूसरी तिमाही परिष्कृत धातु उत्पादन, और रॉयल्टी को छोड़कर 703 अमेरिकी डॉलर प्रति टन की कम तिमाही जिंक उत्पादन लागत। दूसरी तिमाही में चांदी का उत्पादन 173 टन रहा, जो सालाना आधार पर 20% अधिक है, और इसने लाभप्रदता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मीरा-भायंदर में 400 बेड के अत्याधुनिक सरकारी अस्पताल का रास्ता साफ

♦स्वर्गीय गिल्बर्ट मेंडोजा के नाम पर बनेगा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल; मंत्री प्रताप सरनाईक ने 28 जून 2028 तक निर्माण पूरा करने का दिया अल्टीमेटम

♦400 से 500 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी 13 मंजिला इमारत, देरी होने पर आंदोलन की चेतावनी

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर शहर की तेजी से बढ़ती आबादी और स्वास्थ्य सुविधाओं की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए 400 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक सरकारी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के निर्माण

का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है। शहर के आरक्षण क्रमांक 302 पर मीरा-भायंदर के प्रथम महापौर एवं प्रथम विधायक स्वर्गीय गिल्बर्ट मेंडोजा के नाम पर प्रस्तावित इस अस्पताल का निर्माण 28 जून 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालकमंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को अस्पताल के लिए आरक्षित भूखंड का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने महानगरपालिका प्रशासन, नगर विकास विभाग के अधिकारियों, जिला प्रशासन और संबंधित विकासकर्ता के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने परियोजना में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं करने की चेतावनी देते हुए निर्धारित समयसीमा में निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए।

के.एम. अग्रवाल कॉलेज की पूर्व छात्रा डॉ. अंकिता सिंह ने हासिल की पीएच.डी. की उपाधि

पति के सहयोग और माता-पिता के आशीर्वाद को दिया सफलता का श्रेय; कॉलेज परिवार ने दी बधाई

कल्याण(उत्तरशक्ति)। के.एम. अग्रवाल कॉलेज की पूर्व छात्रा अंकिता सिंह ने पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक उपलब्धि से परिवार और कॉलेज का नाम रोशन किया है। उन्होंने डॉ. अनिता मन्ना के मार्गदर्शन में अपना शोध कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. अंकिता सिंह ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पति के सहयोग तथा माता-पिता के आशीर्वाद और निरंतर प्रेरणा को दिया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, मित्रों और कॉलेज परिसर में खुशी का माहौल है। डॉ. अंकिता सिंह की सफलता पर के.एम. अग्रवाल कॉलेज परिवार ने उन्हें हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल



भविष्य की कामना की। उनकी यह उपलब्धि विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक है तथा शिक्षा और शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

घाटकोपर में भव्य निःशुल्क पशु शल्य चिकित्सा शिविर का शुभारंभ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रसंत परम पुरुषद श्री नम्रगुनि महाराज की प्रेरणा से ARHAM GROUP – ARHAM ALWAYS CARE की ओर से घाटकोपर (पूर्व) स्थित आराध्या भक्ति पार्क, पुलिस हॉकी ग्राउंड में 21 और 22 अक्टूबर 2026 को आयोजित भव्य निःशुल्क पशु शल्य चिकित्सा एवं



शल्य चिकित्सा और उपचार पूरी तरह निःशुल्क किए जाएंगे। साथ ही, जरूरत के अनुसार सर्जरी के बाद की देखभाल, पशुओं के रहने तथा चारे-पानी की व्यवस्था भी आयोजकों की ओर से की जाएगी। पशुओं के प्रति करुणा, संवेदनशीलता और सेवाभाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित



देरी हुई तो सड़क पर उतरकर आंदोलन करूंगा : सरनाईक मंत्री प्रताप सरनाईक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मीरा-भायंदर की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। शहर के नागरिकों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दूसरे शहरों में जाने की मजबूरी से राहत दिलाने के उद्देश्य से इस अस्पताल का निर्माण महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रशासन और विकासकर्ता को निर्देश दिया कि

परियोजना के प्रत्येक चरण की नियमित समीक्षा की जाए और निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए। सरनाईक ने चेतावनी दी कि यदि 28 जून 2028 तक अस्पताल का निर्माण पूरा कर इसे राज्य सरकार को हस्तांतरित नहीं किया गया, तो वह स्वयं सड़क पर उतरकर जन आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह अपने मंत्री पद की परवाह किए बिना जनता के हित में आंदोलन

श्री दुर्गामाता शक्ति पीठ का धूमधाम के साथ नवरात्रोत्सव संपन्न

●माता की चौकी में भजनों ने बांधा समां
●महाप्रसाद ग्रहण कर श्रद्धालुओं ने लिया माता रानी का आशीर्वाद

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत अवधनगर स्थित श्री दुर्गामाता शक्ति पीठ में शारदीय नवरात्रोत्सव श्रद्धा व भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। नवरात्रोत्सव के दौरान मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और मां दुर्गा के दर्शन कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं मंगलमय जीवन की कामना की।

नवरात्रोत्सव के अंतर्गत सोमवार 19 अक्टूबर 2026 को मंदिर परिसर में भव्य माता की चौकी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक दिनेश्वर कुशवाहा, रविंद्र विश्वकर्मा तथा प्रसिद्ध भजन गायिका नंदिनी तिवारी ने अपनी मधुर भजनों की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं की मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों की गूंज से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा और उपस्थित श्रद्धालु माता रानी की भक्ति में लीन नजर आए। इस मौके पर



आयोजन कमेटी की ओर से उद्योजक गिरजेश आर सिंह, विहिप सह मंत्री चंदन सिंह, सरपंच आनंद धोडी, शिवसेना नेता मुकेश पाटील, राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल कल्याण आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम मिश्र, ग्राम पंचायत सदस्य जली संजय वारी, विक्रान्त साहनी, राम शुक्ला, विहिप प्रखंड प्रमुख एस पी सिंह, बजरंग दल के

करने से पीछे नहीं हटेंगे। 400 से 500 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी 13 मंजिला इमारत प्रस्तावित अस्पताल का निर्माण लगभग 3 लाख वर्ग फुट क्षेत्र में किया जाएगा। परियोजना के तहत बेसमेंट सहित 13 मंजिला अत्याधुनिक इमारत बनाने की योजना है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर राज्य सरकार के माध्यम से लगभग 400 से 500 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अस्पताल में सामान्य चिकित्सा के साथ सुपर स्पेशलिटी उपचार की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उपलब्ध परियोजना विवरण के अनुसार, अस्पताल में कुल 400 बिस्तरों की व्यवस्था प्रस्तावित है। इनमें 375 सामान्य एवं सुपर स्पेशलिटी श्रेणी के बिस्तरों के साथ कैंसर और जलने से प्रभावित मरीजों के उपचार के लिए 25 विशेष बिस्तर

शामिल होंगे। इसके अलावा, अस्पताल परिसर में 200 नर्सों के प्रशिक्षण के लिए अलग प्रशिक्षण केंद्र और डॉक्टरों तथा नर्सों के लिए आवासीय सुविधाएं भी विकसित करने की योजना है। नोट: बिस्तरों के वर्गीकरण का विस्तृत अधिकारिक विवरण उपलब्ध होने पर सामान्य और सुपर स्पेशलिटी बिस्तरों की अलग-अलग संख्या स्पष्ट की जा सकेगी। टीडीआर के माध्यम से स्वीकृत हुई थी परियोजना इस अस्पताल परियोजना का प्रस्ताव तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में निर्माण हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) के माध्यम से आगे बढ़ाया गया था। परियोजना को लेकर विकासकर्ता द्वारा अदालत का रुख किए जाने के बावजूद, महानगरपालिका प्रशासन ने अपना पक्ष रखा।



आयोजन कमेटी की ओर से उद्योजक गिरजेश आर सिंह, विहिप सह मंत्री चंदन सिंह, सरपंच आनंद धोडी, शिवसेना नेता मुकेश पाटील, राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल कल्याण आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष दयाराम मिश्र, ग्राम पंचायत सदस्य जली संजय वारी, विक्रान्त साहनी, राम शुक्ला, विहिप प्रखंड प्रमुख एस पी सिंह, बजरंग दल के

मनोज मिश्र व राबिन सिंह, बोईसर संजान कावड़ यात्रा कमेटी के अध्यक्ष गणेश राणा, विश्वकर्मा आर्मी अध्यक्ष प्रमोद विश्वकर्मा व मीडियाकर्मियों सहित अन्य उपस्थित अतिथियों का भगवा वस्त्र व पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। वहीं मंगलवार 20 अक्टूबर को शाम 6 बजे से महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर महाप्रसाद ग्रहण करते हुए माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आनंद गिरी, अरुण सिंह, जानू यादव, मायाराम गुप्ता, निमोही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजकों ने नवरात्रोत्सव एवं महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन की शोभा बढ़ाने वाले सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में शिकार के दौरान गोली लगने से 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत

♦काशीगांव पुलिस ने सुलझाया मामला, दो आरोपी गिरफ्तार; अंतिम संस्कार के बाद सामने आया घटना का पूरा घटनाक्रम

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर के काशीगांव पुलिस स्टेशन की टीम ने संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के चेनागांव जंगल में शिकार के दौरान गोली लगने से हुई 60 वर्षीय विजय सापटे की मौत के मामले को सुलझाने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि जंगल में जंगली जानवरों का शिकार करने गए लोगों में से एक व्यक्ति ने जानवर की आंखें समझकर सामने मौजूद व्यक्ति पर गोली चला दी थी, जिसकी चपेट में आने से विजय सापटे की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, 20 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 10 बजे सहायक पुलिस निरीक्षक सुहास कांबले को गुप्त सूचना मिली कि चेनागांव के बेलकारी पाड़ा निवासी विजय सापटे की जंगल में बंदूक से निकली गोली लगने के कारण मौत हो गई थी। घटना के बाद चेनागांव के श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार भी कर दिया गया था। सूचना की गंभीरता को देखते हुए काशीगांव पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की शिकार के दौरान चली गोली, तीन लोग हुए घायल पुलिस की प्रारंभिक जांच, तकनीकी विश्लेषण और संबंधित लोगों से पूछताछ में पता चला कि मृतक विजय सापटे अपने साथ छह अन्य लोगों के साथ संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के चेनागांव वन क्षेत्र में स्थित देबुचा घाट पर जंगली जानवरों



का शिकार करने गए थे। जांच के अनुसार, इस समूह में शामिल महेश अनंत गायकर के पास छरों वाले कारतूस से भरी डबल बैरल बंदूक थी। रात करीब 9 बजे महेश गायकर ने सामने खड़े एक व्यक्ति की आंखों को जंगली जानवर की आंखें समझकर गोली चला दी। गोली लगने से 60 वर्षीय विजय सापटे के सीने में छेँ लगे। इस घटना में उनके साथ मौजूद दो अन्य लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जंगल से नीचे लाकर बेलकडी पाड़ा, चेनागांव पहुंचाया गया। अस्पताल ले जाते समय विजय सापटे की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने चेनागांव के श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार कर दिया। तकनीकी जांच और पूछताछ से हुआ खुलासा पुलिस ने मृतक के बेटे रोहित सापटे सहित अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ की। जांच के दौरान घटना के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की। इस मामले में डॉक्टर राजेश पांडुरंग पलांडे का नाम भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार, उन्होंने व्हाट्सएप वीडियो कॉल के माध्यम से मृतक की जांच कर उन्हें मृत घोषित किया था। इसके बाद

है। इनमें महेश अनंत गायकर (52), रोहित विजय सापटे (21), कल्पेश बंडू डाला (25), कुणाल प्रभाकर शेलार (31), काठेड बिस्तुर लाबद (55), प्रवीण बालू जाधव (55) और डॉ. राजेश पांडुरंग पलांडे (56) के नाम शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, महेश अनंत गायकर और कथोड बिस्तुर लाबद को शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 3 और 25 के तहत गिरफ्तार किया गया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 106(1), 118(1), 238, 352 और 3(5) भी लगाई गई हैं। काशीगांव पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 587/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई इस मामले की जांच पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय शिन्ने, पुलिस उपअधुक्त राहुल चव्हाण (जोन-1) और सहायक पुलिस आयुक्त गणपत पिंगले के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में काशीगांव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटिल, पुलिस निरीक्षक (अपराध) संतोष खांडेकर, सहायक पुलिस निरीक्षक सुहास कांबले, सहायक पुलिस निरीक्षक आशुतोष चव्हाण सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रभाग 16 में अनधिकृत पार्किंग पर होगी सख्त कार्रवाई

♦भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह ने ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी प्रफुल्ल वाघ से की मुलाकात, कल से कार्रवाई शुरू करने का मिला आश्वासन

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड के प्रभाग क्रमांक 16 में जगह-जगह खड़े वाहनों के कारण उत्पन्न हो रही अनधिकृत पार्किंग की समस्या को लेकर भाजपा नगरसेवक नवीन सिंह ने पहल की है। इस



समस्या के समाधान के लिए उन्होंने आज ट्रैफिक पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी प्रफुल्ल वाघ से मुलाकात कर उन्हें दोबारा पत्र सौंपा और क्षेत्र में अनधिकृत पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। इस मुलाकात के दौरान नवीन सिंह ने प्रभाग क्रमांक 16 में अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों के कारण स्थानीय

नागरिकों को होने वाली परेशानियों की ओर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने इस समस्या पर जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने की मांग की, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके और नागरिकों को राहत मिल सके। कल से कार्रवाई शुरू करने का आश्वासन नगरसेवक नवीन सिंह के अनुसार, ट्रैफिक पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी प्रफुल्ल वाघ ने उन्हें आश्वासन दिया है कि अनधिकृत पार्किंग के खिलाफ कल से ही कार्रवाई शुरू की जाएगी। इससे क्षेत्र के नागरिकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्दु

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटोफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

धार्मिक आयोजनों के साथ रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर पश्चिम स्थित गणेश नगर की स्वागतम गली के अंबिका ईक्वेलेव में युवा मित्र मंडल नवरात्रोत्सव समिति की ओर से आयोजित नौ दिवसीय शारदीय नवरात्रोत्सव भक्तिमय वातावरण में धूमधाम से संपन्न हुआ। उत्सव के दौरान मां जगदंबा की विधिवत स्थापना कर प्रतिदिन पूजा-अर्चना और आरती की गई। इसके साथ ही धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक सेवा से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

नवरात्रोत्सव के प्रमुख आयोजक मुकलेश गिरी ने बताया कि समिति की ओर से नौ दिनों तक धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता दी गई। उत्सव के अंतर्गत परम

में आयोजित इस पहल में जव्हार स्थित पतंगशाह कुटीर रुग्णालय के रक्त केंद्र के सहयोग से रक्तदान शिविर संपन्न हुआ। वहीं बोईसर के इमिफो आई केयर के माध्यम से नागरिकों की नेत्र जांच की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. खान के सहयोग से सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ रक्तचाप (बीपी) और रक्त शर्करा (शुगर) की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके अतिरिक्त डॉ. सखे के सहयोग से एचआईवी जांच तथा आयुष्मान कार्ड से संबंधित सेवाएं भी प्रदान की गईं। नवरात्रोत्सव के दौरान श्री निरंजनी अखाड़ा के परम पूज्य महंत डॉ. परमहंस जी गिरी जी महाराज तथा अखिल भारतीया संत समिति, महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री पूज्य स्वामी श्री भारतानंद सरस्वती जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह की अगुवाई में निकली ऐतिहासिक कलशयात्रा

*** जय श्रीराम के उद्धोष और हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा ने आयोजन को बनाया यादगार**
*** सिर पर कलश धारण किए महिलाओं का उमड़ा जनसैलाब**
*** जय श्रीराम के उद्धोष से गूँजा शहर, जगह-जगह श्रद्धालुओं ने की पुष्पवर्षा**
*** 21 से 29 अक्टूबर तक बीआरपी कॉलेज मैदान में होगी श्रीरामकथा**

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जिले में मंगलवार को वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह के नेतृत्व में सेवा भारती के तत्वावधान में भव्य कलशयात्रा निकाली गई। घोटमती नदी के किनारे स्थित हनुमान घाट से शुरू हुई इस ऐतिहासिक कलशयात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सिर पर कलश धारण किए महिलाओं की लंबी कतारें, भगवान श्रीराम के जयकारे, आकर्षक धार्मिक झांकियां और जगह-जगह हुई पुष्पवर्षा ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। यात्रा के दौरान शहर की प्रमुख सड़कों पर श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। आयोजन को लेकर लोगों में विशेष उत्साह रहा और जगह-जगह खड़े होकर लोगों ने कलशयात्रा का भव्य स्वागत किया।

सड़क पर बह रहा नाली का गंदा पानी, चलना दूभर



-आफताब आलम
मानीकलाँ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र के मानीकलाँ में एजेंसी चौराहा से ग्यासपुर नोनारी जाने वाले मार्ग पर नाली जाम हो जाने के करण नाली का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है इससे लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं।वहीं सड़क पर बह रहे नाली के गंदा पानी के दुर्गंध से भी लोग परेशान हैं।वह बीमारी फैलने की संभावना भी बनी है।दुकानदारों ने बताया कि नाली जाम रहने से और गंदा पानी सड़क पर बहाने से व्यवसाय काफी परभावित हो रहा है सड़क पर गंदा पानी जमे रहने से ग्राहक दुकान तक नहीं पहुंच पा रहे है दुकानदारों में

नाराजगी है और इसी तरह गांव की गलियों में बनी नाली का भी गंदा पानी रोड पर बह रहा है। ग्राम वासियों का कहना है कि दो सफाई रहने के बावजूद भी गांवों में नही होती कभी सफाई।ग्राम प्रधान का कार्यकाल खत्म होने के बाद अब ग्राम विकास अधिकारी और सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। यह सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही नहीं,बल्कि ग्रामीणों की बुनियादी सुविधाओं से जुड़ा मामला है।जलभराव से स्कूली बच्चों की सुरक्षा,मरीजों की आवाजाही और आम नागरिकों का दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। नमाज पढ़ने वाले नमाजी को काफी दिक्कत का सामना करना पड़र हा है

जनसुनवाई में एसएसपी सरख्त, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं



जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जनपद में आम जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान और पीड़ितों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने बुधवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें एसएसपी के समक्ष रखीं। उन्होंने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक

कार्रवाई के निर्देश दिए।

जनसुनवाई के दौरान एसएसपी ने अधिकारियों और थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि आम जनता की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक प्रकरण की निष्पक्षता और गंभीरता से जांच करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस का प्रमुख दायित्व पीड़ितों की समस्याओं को



शामिल महिलाओं की श्रद्धा और उत्साह विशेष रूप से दिखाई दिया। चिलचिलाती धूप के बावजूद महिलाएं पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ती रहीं। उनके चेहरों पर भक्ति का भाव और जुबान पर भगवान श्रीराम का नाम था। रास्ते में मौजूद लोग भी इस दृश्य को देखने के लिए रुक जाते थे। कई स्थानों पर लोग अपने घरों की छतों और मकानों के सामने खड़े होकर यात्रा का स्वागत करते दिखाई दिए।

हनुमान घाट से प्रारंभ हुई कलशयात्रा चढारसू चौराहा, ओलंदगंज, पॉलिटेक्निक चौराहा और वाजिदपुर तिराहा होते हुए बीआरपी कॉलेज के मैदान में पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरने के दौरान यात्रा के स्वागत के लिए लोगों की मौजूदगी रही। जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर कलशयात्रा में शामिल लोगों का अभिनंदन किया। पूरे मार्ग पर धार्मिक

उत्साह का माहौल बना रहा। यात्रा के दौरान ज्ञान प्रकाश सिंह लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन करते हुए आगे बढ़ते रहे। सड़क के दोनों ओर स्थित मकानों और प्रतिष्ठानों के सामने खड़े लोग भी उनके अभिवादन को स्वीकार करते नजर आए। श्रद्धालुओं की भारी भागीदारी और लोगों के स्वागत ने आयोजन को खास बना दिया। यात्रा के मार्ग पर लोगों की निगाहें धार्मिक झांकियों और सिर पर कलश लेकर चल रही महिलाओं पर टिकी रहीं।

कलशयात्रा का सबसे आकर्षक दृश्य उस समय देखने को मिला, जब हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं और यात्रा पर पुष्पवर्षा की गई। आयोजकों के अनुसार, जौनपुर में पहली बार इतनी भव्य कलशयात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। लगभग एक घंटे तक हेलीकॉप्टर से गुलाब के फूल बरसाए जाते रहे। आसमान से बरसते फूलों और नीचे जय श्रीराम का उद्धोष करते

मूर्ति विसर्जन के दौरान चाकूबाजी, युवक के पेट में घोंपा चाकू



युवक के पेट में चाकू लगने से उसकी हालत गंभीर हो गई। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे वाराणसी स्थित डॉस सेंटर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, मूर्ति विसर्जन के दौरान डांस करने को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने वाराणसी रेफर कर दिया। घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल मूर्ति विसर्जन के दौरान हुई इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। विसर्जन में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी के बीच युवक पर चाकू से हमला होना गंभीर मामला है। ऐसे आयोजनों के दौरान पुलिस की सतर्कता और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था की अहमियत एक बार फिर सामने आई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हमलावरों की तलाश की जा रही है और विवाद के पीछे की वजह का पता लगाया जा रहा है।

जौनपुर: 62 लाख रुपये की वित्तीय अनियमितता में ग्राम प्रधान गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।रामपुर थाना क्षेत्र की दमौदरा ग्राम पंचायत में कथित वित्तीय अनियमितता के मामले में पुलिस ने ग्राम प्रधान अजीत कुमार सिंह उर्फ पिंटू को गिरफ्तार किया है। मामले अस्थायी गोआश्रय स्थल के लिए आवंटित 62,30,849 रुपये की धनराशि ग्राम प्रधान की मां के बैंक खाते में हस्तांतरित किए जाने के आरोप से जुड़ा है। विभागीय जांच में मनेरगा के तहत अमृत सरोवर की खुदाई एवं सुंदरीकरण कार्य में जेसीबी के इस्तेमाल और मजदूरी मद में 28,81,900 रुपये के भुगतान पर भी सवाल उठाए गए हैं। इस मामले में ग्राम प्रधान और तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव संदीप कुमार के खिलाफ 18 सितंबर 2026 को रामपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। विभागीय कार्रवाई के तहत ग्राम प्रधान के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों पर भी रोक लगाई गई थी। पुलिस के अनुसार, मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। धनराशि के हस्तांतरण और संबंधित अभिलेखों की जांच जारी है। आरोपों की आंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगी।

कृपाशंकर सिंह ने पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी की मां यशोदा देवी को दी श्रद्धांजलि



उनकी दिवंगत मां यशोदा देवी को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने यशोदा देवी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि यशोदा देवी का बीते शुक्रवार को 82 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। वह काफी समय से बीमार चल रही थीं। उनके निधन से परिवार और परिचितों में शोक का माहौल है। इस अवसर पर कृपाशंकर सिंह ने कहा कि मां का स्थान जीवन में सर्वोच्च होता है। मां का स्नेह, त्याग और आशीर्वाद अनमोल होता है, जिसकी कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती। उन्होंने पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें इस कठिन समय में धैर्य बनाए रखने की सलाह दी। इस दौरान बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता विवेक सिंह राजा भी उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं का दृश्य लोगों के लिए यादगार बन गया। कलशयात्रा के बीआरपी कॉलेज मैदान स्थित श्रीरामकथा स्थल पर पहुंचने के बाद भी हेलीकॉप्टर से पंडाल के ऊपर पुष्पवर्षा की गई। फूलों की वर्षा के बीच श्रद्धालु उत्साहित दिखाई दिए। इस दौरान पंडाल में मौजूद रामभक्तों ने भक्ति भाव के साथ इस दृश्य का आनंद लिया। मुख्य आयोजक ज्ञान प्रकाश सिंह भी इस अवसर के साक्षी बने। पुष्पवर्षा ने धार्मिक आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया।

भव्य कलशयात्रा में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। यात्रा के निर्धारित मार्ग पर व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार के व्यवधान को रोकने के लिए सुरक्षा प्रबंध किए गए। शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों से गुजरती यात्रा के दौरान व्यवस्था बनाए रखने पर ध्यान दिया गया, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण

ढंग से कार्यक्रम में शामिल हो सकें। कलशयात्रा में महिलाओं, युवाओं और अन्य श्रद्धालुओं की भागीदारी को लेकर लोगों में चर्चा रही। चिलचिलाती धूप के बीच महिलाओं की लंबी कतारें और लगातार लगते जय श्रीराम के नारे आयोजन के प्रति उनकी आस्था को प्रदर्शित कर रहे थे। धार्मिक उत्साह के बीच यात्रा के सफल समापन पर आयोजकों ने भी संतोष व्यक्त किया।

कलशयात्रा के समापन के बाद श्रीरामकथा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में कथावाचक आचार्य शंतनु महाराज ने आयोजन की भव्यता की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह हर साल 10 से 20 कार्यक्रम करते हैं और विभिन्न स्थानों पर निकलने वाली कलशयात्राओं में भी शामिल होते हैं, लेकिन पूरे देश में मुख्य आयोजक ज्ञान प्रकाश सिंह जैसी कलशयात्रा उन्होंने आज तक नहीं देखी। आचार्य शंतनु महाराज ने कहा कि ज्ञान प्रकाश सिंह जिस निष्ठा

और स्नेह के साथ कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने इसे भगवान की कृपा बताया हुए आयोजन के प्रति अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उनके संबोधन के दौरान कलशयात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

और महिलाओं की भागीदारी का उल्लेख भी चर्चा का विषय रहा। आचार्य के अनुसार, आयोजन की भव्यता के साथ श्रद्धालुओं की आस्था और सहभागिता ने इसे विशेष बना दिया। मुख्य आयोजक ज्ञान प्रकाश सिंह ने भव्य कलशयात्रा में शामिल मातृशक्ति, युवाओं और युवाओं सहित बड़ी संख्या में लोगों ने जिस निष्ठा, श्रद्धा और उत्साह के साथ कलशयात्रा को भव्य बनाया, उसके लिए वह सभी के आभारी हैं। उन्होंने आयोजन में सहभागिता करने वाले लोगों की सराहना करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से यह धार्मिक कार्यक्रम विशेष स्वरूप ले सका। उन्होंने श्रद्धालुओं से श्रीरामकथा में भी बड़-चढ़कर शामिल होने की अपील की। ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि भगवान श्रीराम के जीवन, आदर्शों और व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर समाज में अच्छे संस्कारों को बढ़ावा दिया जा

सकता है। उन्होंने लोगों से अपने परिवार के साथ कथा में पहुंचने और भगवान श्रीराम के चरित्र को जीवन में आत्मसात करने का आग्रह किया।

बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में 21 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक नौ दिवसीय श्रीरामकथा का आयोजन किया जाएगा। मुख्य आयोजक ज्ञान प्रकाश सिंह के अनुसार, प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक कथावाचक आचार्य शांतनु महाराज श्रीरामकथा का श्रवण कराएंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्रतिदिन दोपहर 2 बजे तक परिवार सहित कार्यक्रम में पहुंचकर कथा सुनने की अपील की। उन्होंने कहा कि श्रीरामकथा केवल धार्मिक श्रवण का माध्यम नहीं है, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादां, कर्तव्यनिष्ठा और व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का अवसर भी है। उन्होंने लोगों से कथा में शामिल होकर भगवान श्रीराम के जीवन मूल्यों को समझने और उन्हें अपने व्यवहार में अपनाने का आह्वान किया। हनुमान घाट से बीआरपी कॉलेज मैदान तक निकली भव्य कलशयात्रा के साथ जौनपुर में नौ दिवसीय श्रीरामकथा का माहौल तैयार हो गया है। श्रद्धालुओं की बड़ी भागीदारी, धार्मिक झांकियों, जय श्रीराम के उद्धोष और हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।

बरियापुर गांव में भावपूर्ण श्रद्धा के साथ मां नवदुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन संपन्न



-दिनेश विश्वकर्मा
बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी क्षेत्र की सिरौली ग्रामसभा के बरियापुर गांव में मां नवदुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन पूरे श्रद्धा, भक्ति और भावपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस दौरान भक्तों ने नम आंखों से मां दुर्गा की विदाई दी तथा अगले वर्ष

निभाई। खास बात यह रही कि कमेट्री के सदस्यों और सहयोगियों ने स्वयं मां दुर्गा की प्रतिमा का निर्माण किया, जो क्षेत्र में चर्चा और प्रशंसा का विषय रहा। नवरात्र के दौरान मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक

रामकथा केवल सुनने का नहीं, श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने का माध्यम : शांतनु जी महाराज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भगवान श्रीराम का जीवन मानवता, त्याग, सत्य, प्रेम और मर्यादा का ऐसा आदर्श है, जो युगों-युगों तक समाज को सही मार्ग दिखाना रहेगा। रामकथा सुनना परम सौभाग्य की बात है, लेकिन इसकी वास्तविक सार्थकता तभी है, जब मनुष्य भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारे। यह संदेश पूज्य शांतनु जी महाराज ने बी.आर.पी. इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित श्रीराम कथा के दौरान श्रद्धालुओं को दिया। महाराज जी ने कहा कि श्रीराम कथा केवल धार्मिक प्रसंगों का वर्णन नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाने वाला आध्यात्मिक माध्यम है। प्रभु श्रीराम का चरित्र हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य और धर्म का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। जीवन में कितनी भी



कठिनाइयां आएँ, मनुष्य को धैर्य, संयम और मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। भगवान श्रीराम ने अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि व्यक्ति की महानता उसके पद या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि उसके चरित्र, व्यवहार और कर्तव्यनिष्ठा से निर्धारित होती है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में भगवान श्रीराम के आदर्शों की

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उत्तर प्रदेश ने स्नातक एमएलसी प्रत्याशी आशुतोष सिन्हा को दिया समर्थन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के वाराणसी स्नातक खंड निर्वाचन में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी एवं वर्तमान एमएलसी आशुतोष सिन्हा के समर्थन में जौनपुर स्थित बीआरपी इंटर कॉलेज में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इंद्रसेन श्रीवास्तव ने आशुतोष सिन्हा को सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग से उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित लोगों ने स्नातक निर्वाचन में आशुतोष सिन्हा को अपना समर्थन देने की बात कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आशुतोष सिन्हा ने अपने कार्यों और जनता के बीच बनाए गए विश्वास के



प्रधानाचार्य सुभाष सिंह, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा चयन बोर्ड के सदस्य ललित मोहन श्रीवास्तव सहित विभिन्न शिक्षक एवं सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित लोगों ने स्नातक निर्वाचन में आशुतोष सिन्हा को अपना समर्थन देने की बात कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आशुतोष सिन्हा ने अपने कार्यों और जनता के बीच बनाए गए विश्वास के

आधार पर मिले समर्थन के लिए सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने 23 अक्टूबर को होने वाले चुनाव में समर्थकों से सक्रिय सहभागिता निभाने तथा अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने की अपील की। बैठक में उपस्थित लोगों ने आशुतोष सिन्हा के समर्थन में एकजुट होकर चुनाव में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही।

मानीकलां में जर्जर विद्यालय भवन में पढ़ने को मजबूर नौनिहाल

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र के मानीकलां गांव स्थित कंपोजिट प्राथमिक विद्यालय के दो भवन जर्जर हो चुके हैं। छत में दरारें, उखड़ता प्लास्टर, दिखाई देती सरिया और धंसती जमीन बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों ने शिक्षा विभाग से जल्द कार्रवाई की मांग की है। विद्यालय के प्रधानाचार्य के अनुसार, जर्जर भवन की सुचना उच्च अधिकारियों को दी गई थी। लखनऊ और जिले से टीम ने निरीक्षण भी किया था। इसके बाद बच्चों की पूर्व माध्यमिक विद्यालय मानीकलां में पढ़ाने के निर्देश मिले। वहां करीब छह महीने पढ़ाई कराई गई, लेकिन दूरी अधिक होने के कारण बच्चों की उपस्थिति और नए प्रवेश प्रभावित होने लगे। मजबूरन बच्चों को फिर पुराने विद्यालय परिसर में लाना पड़ा। प्रधानाचार्य ने बताया कि जर्जर भवन के एक कमरे में बच्चों को बैठने से मना किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि भवन की खराब स्थिति के कारण बच्चों को स्कूल भेजने में डर लगता है।

भक्ति के साथ शक्ति की आराधना, महिलाओं द्वारा शस्त्र पूजन का आयोजन



मुंबई। मातृशक्ति के माध्यम से ९ दिन मां के शक्ति आराधना के पर्व पर गरबा नृत्य और विविध कार्यक्रम करने वाले ६ खेतावाडी नवरात्रोत्सव मंडल व भावनगरी मोची समाज महिला मंडल ने इस वर्ष शस्त्र पूजन का कार्यक्रम आयोजन करके महिलाओं को भक्ति के साथ साथ शक्ति के संग्रह का संदेश दिया । नवरात्रोत्सव मंडल ९ दिन विविध संस्कार, धर्म, संस्कृति के प्रचार, प्रसार, व गरबा नृत्य का कार्यक्रम आयोजन करता है , रोज माता जी की पूजा, आराधना, हनुमान चालीसा और नित्य केवल महिलाओं के विविध रंगारंग, उत्सव , खेल, प्रतियस्पर्धा के कार्यक्रम नीताजी मुझानी व महिला मंडल के नेतृत्व में आयोजित गत कई वर्षों से हो रहा है । समाज को आदर्श देने वाले इन कार्यक्रमों में गरबा में नित्य हनुमान चालीसा, बिना फिल्मी गीतों के सांस्कृतिक गीतों, भजन, पारंपरिक देशी गीतों पर गरबा का आयोजन नवरात्री में किया गया जिसमें ५ वर्ष से लेकर ८० वर्ष तक की मातृशक्ति ने सहभाग लिया।

पुणे शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन चुनाव को लेकर स्नेहा दुबे पंडित ने की बैठक



पिंपरी-चिंचवड । पुणे डिवीजन स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव 2026 के मदनजर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने पिंपरी गांव और संत तुकाराम नगर में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान भाजपा महायुति की स्नातक

निर्वाचन क्षेत्र की उम्मीदवार डॉ. रिसता योगेश जाधव और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार कौस्तुभ गावडे के प्रचार अभियान, संगठनात्मक तैयारियों तथा मतदाताओं तक पहुंच बनाने को लेकर चर्चा हुई। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व उपमहापौर संजोग वाघारे पाटिल, पूर्व नगरसेवक अमर मूलचंदानी, सुजाताताई पलांडे, युवराज लांडे और प्रतिभा जबलकर सहित अन्य पदाधिकारियों से मुलाकात की। बैठक में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बढ़ाने और चुनाव प्रचार की रणनीति पर विश्वास-विमर्श किया गया। इस दौरान वैशालीताई खाड्ये, गणेश वालुंजकर, गणेश ढकने सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूपी टीजीटी अंग्रेजी में नवीन कुमार दुबे का चयन, क्षेत्र में हर्ष



जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के सिंगरामऊ क्षेत्र स्थित मिश्रौली गांव निवासी स्वर्गीय घनश्याम दुबे के पुत्र नवीन कुमार दुबे का उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) परीक्षा में अंग्रेजी विषय के लिए चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। शुभचिंतकों एवं परिचितों द्वारा उन्हें बधाई देने का सिलसिला जारी है। नवीन कुमार दुबे इससे पहले बिहार के एक जूनियर विद्यालय में

अपनी सेवाएं दे रहे थे। अब उत्तर प्रदेश टीजीटी अंग्रेजी में चयनित होकर उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एक नया अध्याय जोड़ा है।

उनकी सफलता पर परिजनों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। नवीन कुमार दुबे की इस उपलब्धि से मिश्रौली गांव सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

डीएम कार्यालय के सामने महिला ने आत्मदाह का किया प्रयास, पुलिस ने बचाई जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के सडैरी गांव निवासी रीना निषाद ने बुधवार दोपहर जिलाधिकारी कार्यालय के सामने आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को ऐसा करने से रोक लिया और उसकी जान बचाई।

महिला अपने बच्चों के साथ डीएम कार्यालय पहुंची थी। उसका आरोप है कि वह अपनी जमीन पर पेयजल के लिए हैंडपंप की बोरिंग करवा रही थी, तभी पड़ोसियों ने काम रोकने का दबाव बनाया। विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी गई। रीना निषाद का कहना है कि उसने मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस से की थी, लेकिन उसे न्याय नहीं मिला। इसी से आहत होकर उसने यह कदम उठाने का प्रयास किया। घटना के बाद जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में हलचल मच गई। मामले में संबंधित अधिकारियों की ओर से आगे क्या कार्रवाई की गई, इसकी जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

राज्य मंत्री ने विधान परिषद चुनाव की तैयारियों को लेकर की बैठक



वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया। राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने बुधवार को पूर्व विधायक रोहनिया डॉक्टर सुरेंद्र नारायण सिंह तथा ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि काशी विद्यापीठ प्रवेश पटेल के साथ रोहनिया विधानसभा के देल्हना में वाराणसी खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आगामी विधान परिषद चुनाव की तैयारियों को लेकर भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, चुनावी तैयारियों एवं मतदाताओं से संपर्क सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने भाजपा समर्थित एनडीए प्रत्याशियों की विजय सुनिश्चित करने हेतु सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से पूरी सक्रियता और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। पूर्व विधायक डॉक्टर सुरेंद्र नारायण सिंह ने कार्यक्रम संबंधी विस्तृत चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक संयंक्त मजबूत करने, मतदाता सूची सत्यापन और शिक्षक स्नातक मतदाताओं से संवाद बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संगठन की एकजुटता ही चुनाव में सफलता की कुंजी है।

हेलीकॉप्टर से जवानों को उतारकर दिखाया बचाव अभियान, काशी के लिए यादगार बना वायुसेना का प्रदर्शन

आसमान में सारंग, गंगा के ऊपर शौर्य का सलाम!

-सुरेश गांधी वाराणसी. गंगा की लहरों पर सूरज की चमक, सामने काशी के ऐतिहासिक घाट और ऊपर आसमान में एक साथ उड़ान भरते पांच हेलीकॉप्टर। कभी एक-दूसरे के करीब आते हुए, कभी हवा में अद्भुत आकृतियां बनाते हुए और कभी पलक झपकते ही अपनी दिशा बदलते हुए। बुधवार का यह दृश्य सिर्फ रोमांच ही नहीं पैदा किया, बल्कि हर काशीवासी के मन में गर्व का भाव भी जगा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पहली बार भारतीय वायुसेना के इतने भव्य हवाई प्रदर्शन की प्रस्तुतियां काशीवासी के दिल-ओ-



दिमाग पर साल-ओ-साल राज करेगी। ह्यूविंस ओवर गंगाह्व के नाम से आयोजित इस आयोजन में देश की सैन्य विमानन क्षमता, आधुनिक तकनीक और वायुसेना के जांबाजों के अद्भुत कौशल की झलक देखने को मिल रही है। इस हवाई प्रदर्शन का प्रमुख आकर्षण है भारतीय वायुसेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्पेंस टीम। पांच स्वदेशी एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टरों के साथ आसमान में

सधे हुए फॉर्मेशन बनाते वाली यह टीम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुकी है। दुनिया की एकमात्र संच हेलीकॉप्टरों वाली हवाई प्रदर्शन टीम के रूप में विख्यात सारंग जब काशी के आसमान में अपने करतब दिखाएं तो दर्शकों की आंखें खुली की खुली की खुली रह गयी, गंगा के ऊपर उड़ते हेलीकॉप्टरों का दृश्य और आपदा में राहत पहुंचाने की शानदार प्रस्तुति, जिसे काशीवासियों ने देखा किस तरह जवान रस्सी के सहारे उतरकर लोगों को बचाने का प्रयास करते दिखी, वह लंबे समय तक लोगों की स्मृतियों में बना रहेगा। टीम की पायलट स्वाइन लीडर अंकिता सिंह से बातचीत में काशी के प्रति उत्साह, वायुसेना के प्रति

समर्पण और टीमवर्क की अहमियत साफ झलकी। उन्होंने कहा कि काशी में आकर लोगों के सामने प्रदर्शन करने का अवसर मिलना खुशी की बात है। पूरी टीम इसे लेकर उत्साहित है। उन्होंने वायुसेना की पेशेवर दक्षता और सामूहिक प्रयास को उसकी सबसे बड़ी ताकत बताया। प्रस्तुत हैं स्वाइन लीडर अंकिता सिंह से सीनियर रिपोर्टर सुरेश गांधी की बातचीत के प्रमुख अंश : –

सवाल : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी में पहली बार इतने बड़े स्तर पर हवाई प्रदर्शन हो रहा है। यहां आकर कैसा लग रहा है?

स्वाइन लीडर अंकिता सिंह : जय हिंद! काशी में आकर प्रदर्शन करने का अवसर मिलना हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। हम सभी यहां प्रदर्शन को लेकर बेहद उत्साहित हैं। भारतीय वायुसेना की

94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में अपनी क्षमता और कौशल का प्रदर्शन करने का मौका मिला है। हम चाहते हैं कि यहां के लोग हमारे प्रदर्शन को देखें और उसका आनंद लें।

सवाल : काशी एक धार्मिक और सांस्कृतिक नगरी है। गंगा के ऊपर हेलीकॉप्टरों के करलव दिखाने को लेकर मन में क्या भाव हैं?

स्वाइन लीडर अंकिता सिंह : काशी को लेकर हम सभी में बहुत उत्साह है। यहां आकर लोगों के सामने प्रदर्शन करना अपने आप में खुशी की बात है। हम अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं और इस अवसर को लेकर उत्साहित हैं।

सवाल : सारंग टीम की सबसे बड़ी विशेषता क्या है? पांच हेलीकॉप्टरों का एक साथ उड़ान भरना कितना चुनौतीपूर्ण होता है?

स्वाइन लीडर अंकिता सिंह :

पत्रकार अवधेश मिश्रा को मामा बनने पर लोगों ने दी बधाई

प्रतापगढ(उत्तरशक्ति)। पत्रकार अवधेश मिश्रा रिक्वी की प्यारी छोटी बहन डाली ने दिनांक 20 अक्टूबर 2026 दिन मंगलवार दशहरा के दिन पुत्र को दिल्ली के एक निजी अस्पताल में जन्म दिया , मां और बच्चे दोनों स्वस्थ है। बच्चे के जन्म पर पत्रकार अवधेश मिश्रा के पैतृक गांव पिपरी मोड़ , पोस्ट सराय गम्गाई , जनपद प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश में खुशी की लहर फैल गई है। वहीं डाली के ससुराल ग्राम चंद्रिकन देवी मठिया प्रतापगढ़ में बच्चे के दादा तारकनाथ तिवारी,दादी श्रीमती सरिता तिवारी , बड़े पिता कृष्ण चंद तिवारी, दुर्गा प्रसाद तिवारी, शरण तिवारी रोगना, सावित्री तिवारी, बुआ श्रीमती शैलेश कुमारी मिश्र, अखिलेश कुमारी मिश्रा , बच्चे के पिता समत तिवारी के यहां खुशी का माहोल है। वहीं डाली तिवारी के ननिहाल ग्राम रोहियांव, पोस्ट मधुपुर



विकास खण्ड सुजानगंज, जौनपुर में अत्यंत खुशी का माहौल है। डाली तिवारी के मामा प्रेम चंद मिश्रा, फूल चंद मिश्रा, विजय चंद मिश्रा , राम-लखन मिश्रा, प्रिंश मिश्रा , आशू मिश्रा, मोहिनी , संतोष सिंह गोलू, मामी लीलावती मिश्रा, सीमा मिश्रा, बबिता मिश्रा ने बच्चे को दीर्घायु होने

की आशिर्वाद प्रदान किया है। ग्राम पिपरी मोड़ बच्चे के ननिहाल में मंगल बधाई देते हुए सभी बधाई का मुंह मिठा कराया गया । डाली तिवारी के पिता विजय शंकर मिश्र मध्यप्रदेश पुलिस, माता श्रीमती उर्मिला मिश्रा , बड़े पापा रमाशंकर मिश्रा(सुबेदार) , दयाशंकर मिश्रा , बड़े भाई दुर्गेश मिश्रा (विकास खण्ड सुजानगंज, जौनपुर में

अत्यंत खुशी का माहौल है। डाली तिवारी के मामा प्रेम चंद मिश्रा, फूल चंद मिश्रा, विजय चंद मिश्रा , राम-लखन मिश्रा, प्रिंश मिश्रा , आशू मिश्रा, मोहिनी , संतोष सिंह गोलू, मामी लीलावती मिश्रा, सीमा मिश्रा, बबिता मिश्रा ने बच्चे को दीर्घायु होने की आशिर्वाद प्रदान किया ।

देश को जनसंघ की विचारधारा की आवश्यकता है : जगदीश शास्त्र

मुंबई (गोरेगांव)। अखिल भारतीय जनसंघ ने अपना 75वां स्थापना दिवस मुंबई के गोरेगांव पश्चिम स्थित माय स्टूडियो हॉल में धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और प्रो. बलराज मधोक के चित्रों पर माल्यार्पण कर की गई।

कार्यक्रम का संचालन महाराष्ट्र के महासचिव शिवकुमार पांडेय ने किया, जबकि महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष सूर्यकांत सालुंखे ने अतिथियों का स्वागत किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं जनसंघ के राष्ट्रीय सचिव जगदीश शास्त्री ने कहा कि आज देश को जनसंघ की विचारधारा की विशेष आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनसंघ की विचारधारा के माध्यम से



ही रामराज्य की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

कार्यक्रम में शिवकुमार पांडेय,

सूर्यकांत सालुंखे, देवेंद्र खान्ना और हंसा गंगर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के संयोजक गोविंद झा ने अंत में सभी अतिथियों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर राहुल सोनी, आचार्य जयराम तिवारी, शिवरतन गंगर, भूपेंद्र श्रीवास्तव, सतीश दुबे, कालू सिंह, हीना सिंह, ओ.पी. तिवारी सहित जनसंघ के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और डिजिटल विकास भारत की प्राथमिकता : डॉ. हेमंत सावरा

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में 19 अक्टूबर 2026 को आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा की दूसरी समिति और आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ECOSOC) की संयुक्त बैठक में भारत ने खाद्य सुरक्षा, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और डिजिटल सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया। भारत की ओर से अपनी बात रखते हुए पालघर के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने इन क्षेत्रों में निवेश को सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। डॉ. सावरा ने कहा कि छोटे एवं सीमांत किसानों की आय बढ़ाने, आम लोगों को सस्ती दरों पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए कृषि व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने पीएम पोषण योजना और मोटे अनाज को बढ़ावा देने जैसे भारतीय प्रयासों का भी



उल्लेख किया।

महिला सशक्तिकरण पर उन्होंने कहा कि बैंकिंग सुविधाओं, डिजिटल पहचान और मोबाइल कनेक्टिविटी के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से

आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। स्वयं सहायता समूहों और महिला उद्यमों को प्रोत्साहन देना भी आवश्यक है।

उन्होंने डिजिटल सेवाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों और महिलाओं तक पहुंचाने के लिए डिजिटल साक्षरता, सक्ती इंटरनेट सुविधा और सुरक्षित डिजिटल प्रणालियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। डॉ. सावरा

ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से वित्तीय सहायता, तकनीक और प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर विकासशील देशों में रोजगार एवं सतत विकास के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं।

वाराणसी(उत्तरशक्ति)।

गंगा की लहरें शत थीं, घाटों पर आस्था का प्रवाह अपने स्वाभाविक वेग से आगे बढ़ रहा था। तभी आसमान में एक ऐसी गर्जना गुंजी कि काशी की निगाहें अन्यास ऊपर उठ गईं। देखते ही देखते लड़ाकू विमानों की गर्जना ने गंगा के प्रवाह के साथ कदमताल शुरू कर दी। राफेल की रफ्तार, सुखोई की गर्जना और स्वदेशी तेजस की उड़ान ने ऐसा दृश्य रचा कि मानो आकाश में भारत के सामर्थ्य की नई इबारत लिखी जा रही हो। बुधवार को भारतीय वायुसेना की ह्यूविंस ओवर गंगाह्व एयर शो की ग्रैंड रिहर्सल में काशी ने देश की हवाई ताकत और वायु योद्धाओं के असाधारण कौशल की झलक देखी। आसमान में लड़ाकू विमानों की तेज उड़ानें, हेलीकॉप्टरों के हैरतअंगेज करतब और गंगा में चल रहे कूज पर रस्सियों के सहारे उतरते जवानों का प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहा। नमी घाट से अस्सी घाट तक गंगा के

किनारे इस नजारे को देखने वालों के लिए यह महज हवाई अभ्यास नहीं, बल्कि देश के सैन्य सामर्थ्य को करीब से महसूस करने का रोमांचक अवसर था। भारतीय वायुसेना की 94वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले इस विशेष कार्यक्रम की रिहर्सल ने तीन दिवसीय आयोजन को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। मुख्य एयर शो 22, 24 और 25 अक्टूबर को प्रस्तावित है। अंतिम दिन 25 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। करीब 100 विमानों और हेलीकॉप्टरों के प्रदर्शन की योजना के साथ गंगा के ऊपर होने वाला यह आयोजन काशी के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है।

ग्रैंड रिहर्सल के दौरान आसमान में एक के बाद एक लड़ाकू विमानों की मौजूदगी ने वातावरण को रोमांच से भर दिया। राफेल, सुखोई-30 का इस दृश्य में परंपरा और आधुनिकता एक साथ नजर आई।

विंग्स ओवर गंगा की ग्रैंड रिहर्सल में दिखा वायुसेना का अद्भुत कौशल



मिग-29 और जगुआर जैसे लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन ने भारतीय वायुसेना की विविध क्षमताओं की झलक दिखाई। इन विमानों की उड़ान केवल गति का प्रदर्शन नहीं थी।हर मोड़, हर कलाबाजी और हर सटीक मूवमेंट के पीछे महीनों का प्रशिक्षण, तकनीकी दक्षता और पायलटों का असाधारण अनुशासन छिपा है। हजारों फीट ऊपर हवा के बीच संतुलन साधते वायु योद्धाओं ने यह दिखाया कि आधुनिक युद्धक विमानन में गति के साथ सटीकता और समन्वय कितना महत्वपूर्ण है। गंगा के ऊपर से गुजरते विमानों की गर्जना और नीचे बहती नदी का दृश्य एक अनूठा विरोधाभास रच रहा था। एक ओर सद्यत्ता से सञ्च्यता, संस्कृति और अध्यात्म की वाहक मां गंगा, दूसरी ओर आधुनिक भारत की तकनीकी क्षमता और सैन्य तैयारी का प्रतीक बनते लड़ाकू विमान। काशी के इस दृश्य में परंपरा और आधुनिकता एक साथ नजर आई।

